छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 306 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 03 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

एनएच पर चक्काजाम, नगर बंद का आह्वान, धरना-प्रदर्शन के बाद 13 गिरफ्तार

सीतापुर थाना क्षेत्र में मारपीट के बाद पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई से भड़के थे ग्रामीण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा के सीतापुर में 30 नवंबर को एक शादी समारोह में कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ, इसके बाद बात मारपीट तक आ पहुंची। दोनों पक्ष थाने पहुंचे लेकिन पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत सुनकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई से नाराज उरांव समाज ने सोमवार की रात 4 घंटे नेशनल हाईवे में चक्काजाम कर दिया। देर रात 1.30 बजे तक सड़क जाम रहने से वाहनों की लम्बी कतार लग गई। 2 दिसंबर, मंगलवार को उरांव समाज के लोगों ने नगर बंद का आह्वान किया और रैली निकाली। तनाव की स्थिति को देखते हुए सीतापुर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर मामला कायम करके 13 लोगों को गिरफ्तार किया है और न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक एक दिसम्बर को निहाल खलखो निवासी उरांवपारा ने सीतापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि जब वह अपने मोहल्ले के एक व्यक्ति को उसके घर छोड़ने जा रहा था, तभी पूर्व में हुए मामूली झगड़ा, विवाद का बदला लेने की नीयत से लाठी,

डंडा, लोहे का रॉड लेकर उरांव मुहल्ला में टोकोपारा सीतापुर का हीरालाल कुजूर, छोटू खान, आशिक खान, सुहेल खान, जावेद अहमद, शाबीर हसन, अतीक खान अपने अन्य साथियों के साथ कार, मोटरसाइकल एवं स्कार्पियो वाहन में पहुंचे और मारपीट की घटना को अंजाम दिए। पूर्व में एकपक्षीय रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई में लगी पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 462/2025 धारा 296, 351(2), 115(2), 191(1), 191(3), 190, 331(7) बीएनएस व एसटी, एससी एक्ट की धारा 3(2) (5) (क) का अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया। विवेचना दौरान प्रकरण में अपराध की नियति अनुसार धारा 152, 61, बी.एन.एस जोड़ा गया और पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इसके पहले पुलिस की लचर कार्यप्रणाली को लेकर लोग आवेशित हो गए और एक दिसम्बर को देर रात तक एनएच में चक्काजाम करने के बाद मंगलवार, 2 दिसम्बर को नगर बंद का आह्वान किया, और सीतापुर थाना के सामने ही धरना-प्रदर्शन करने लगे। रात में ही घटना का जायजा लेने के लिए पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में मामले की पड़ताल शुरू की और थाना क्षेत्र के एक आरोपी हीरालाल कुजूर पिता दिलबहार कुजूर 23 वर्ष निवासी घासीपारा को तलब कर पूछताछ की, तो उसने 30.11.2025 को उरांव पारा में शादी समारोह के बीच साजिद खान का टेंट लगाने के दौरान झगड़ा-विवाद का बदला लेने एक राय होकर अपने साथियों के साथ लाठी-डंडे के साथ मारपीट करना स्वीकार किया।

इस कारण मामला पकड़ा तूल

घटना के विरोध में उरांव समाज ने मंगलवार, 2 दिसंबर को नगर बंद का आह्वान किया। सुबह नगर बंद का आंशिक असर रहा। दोपहर में उरांव समाज ने नगर में रैली निकालकर नगर बंद कराया। पुलिस ने तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बल सीतापुर में तैनात किया था। मामले में पुलिस पर लापरवाही के आरोप भी लगे। कहना था कि उरांव पारा में दोपहिया और चारपहिया वाहनों में सवार होकर पहुंचे लोगों के द्वारा उत्पात मचाने की सूचना पुलिस को मिलने के बाद भी तत्काल पुलिस हरकत में नहीं आई, बाद में दो आरक्षक पैदल पहुंचे, जिस कारण मामले ने तूल पकड़ लिया।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

आशिक खान पिता रोशन खान 20 वर्ष निवासी बैकुंठपुर जिला कोरिया, हीरालाल कुजूर पिता दिलबहार कुजूर 23 वर्ष, छोटू खान पिता बसीउद्दीन खान 24 वर्ष, सुहेल खान पिता जाबीर खान 24 वर्ष, अनिल कुजूर पिता दिलबहार कुजूर 18 वर्ष, रेसालत खान पिता नेसर खान 22 वर्ष, बाबू आलम पिता बबलू आलम 24 वर्ष सभी निवासी घासीपारा, शाबीर हसन पिता जमालुददीन 36 वर्ष निवासी पुटुकेला तेलईधार थाना सीतापुर, फैजुल्ला खान पिता जाहिरूल्ला खान 33 वर्ष, मो. मुरतजा पिता स्व. मो. शब्बीर 28 वर्ष, मोहसीन खान पिता साफर खान 21 वर्ष, अतीक खान पिता अमीन खान 27 वर्ष सभी निवासी रायकेरा थाना सीतापुर, जावेद अहमद पिता खुरशाद अहमद 25 वर्ष निवासी कण्डारा थाना कुनकुरी जिला जशपुर। इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकल, लाठी, डंडा पुलिस ने जप्त किया है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु थाना सीतापुर एवं साइबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की, और आरोपियों का चिन्हांकन करने के बाद घेराबंदी करके गिरफ्तार किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक सी.आर. चंद्रा, उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह, थाना प्रभारी बतौली उपनिरीक्षक सी.पी. तिवारी, साइबर सेल से प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह, आरक्षक मनीष सिंह, राहुल केरकेट्टा, रमेश राजवाड़े, रमन मंडल, राहुल सिंह, अमित विश्वकर्मा, नितिन सिन्हा सक्रिय रहे।

मैनपाट के सपनादर और कमलेश्वरपुर में 52 क्विंटल धान जब्त

जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन पर कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को मैनपाट विकासखण्ड के सपनादर के गुलाब यादव के घर से 70 बोरी 28 क्विंटल तथा कमलेश्वरपुर के श्याम यादव के घर से 60 बोरी 24 क्विंटल जप्त कर मण्डी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देश पर चल रही सतत मॉनिटरिंग के परिणाम स्वरूप अब तक 10 प्रकरणों में 1335 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया है, जिससे शासन की लगभग 31,98045 लाख रुपये की आर्थिक हानि को

रोका जा सका है। अवैध धान के अंतर्राज्यीय एवं आंतरिक परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिले में बनाए गए चेकपोस्टों पर सतत् निगरानी रखी जा रही है। अनुविभागीय स्तर पर भी विशेष टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। जंगल और वैकल्पिक मार्गों को भी सील कर दिया गया है, जिससे अवैध धान आवाजाही पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कलेक्टर विलास भोसकर ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया है कि अवैध धान भंडारण व परिवहन में शामिल व्यक्ति को सख्त कार्रवाई की जाए।

10 प्रकरण में 31 लाख रुपये से अधिक का धान जब्त

विगत दिनों विभिन्न स्थानों पर किए गए गोदाम जांच के दौरान, विभागीय टीमों ने कई व्यापारियों से अवैध रूप से रखे गए बड़ी मात्रा में धान बरामद किया है। संजय अग्रवाल, श्री साई ट्रेडिंग, कांतिप्रकाशपुर से 100 बोरी (40 क्विंटल) पतला धान, अनुमानित कीमत 95,560 रुपये, अजय अग्रवाल, आदर्श ट्रेडिंग, श्रीगढ़ अंबिकापुर से 180 बोरी (72 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 1,70,568 रुपये, जनम कुमार अग्रवाल, जे.के. ट्रेडिंग, श्रीगढ़ से 502 बोरी (200.80 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 4,75,695 रुपये, राजेश कुमार अग्रवाल, महामाया ट्रेडिंग से 200 बोरी (90 क्विंटल) पतला धान, कीमत 2,15,010 रुपये, शशिकांत अग्रवाल, बंसल ट्रेडर्स, अंबिकापुर से 1210 बोरी 484 क्विंटल पतला धान, कीमत 11,56,276 रुपये, दीपक अग्रवाल, कृष्णा ट्रेडिंग, खरसिया नाका से 625 बोरी (252 क्विंटल) पतला धान, कीमत 6,02,028 रुपये, मुकेश गुप्ता व सुभाष गुप्ता, खरसिया नाका से 300 बोरी (120 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 2,84,280 रुपये, ग्राम बेलगांव, तहसील सीतापुर से 60 बोरी (24 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 74,400 रुपये, अनिल गुप्ता, अनिल ट्रेडर्स, ग्राम सलका, तहसील उदयपुर से 60 बोरी (24 क्विंटल) पतला धान, कीमत 74,400 रुपये जप्त किया गया, सभी मामलों में प्रकरण दर्ज किया गया है।

कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

जांच अभियान में विभिन्न गोदामों से 3177 बोरी (लगभग 1283 क्विंटल) धान जब्त किया गया है, जिसकी कुल कीमत 3,073817 रुपये है। सभी मामलों में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस कार्रवाई में खाद्य अधिकारी, तहसीलदार, डीएमओ, एआरसीएस, खाद्य निरीक्षक, एवं मण्डी निरीक्षक शामिल थे।

स्कूटी वाहनों की टक्कर में एक की मौत, 3 घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दो स्कूटी वाहन की टक्कर में एक की मौत हो गई, तीन घायल हो गए। सूरजपुर जिला के झिलमिली थाना अंतर्गत ग्राम पकनी चंद्रमेढ़ा निवासी पुरूषोत्तम पिता स्व. कंवल साय 54 वर्ष, सोमवार को स्कूटी क्रमांक सीजी 11 डीजे 2686 से खेत की ओर भाई सोभरन के साथ फसल देखने के लिए जा रहा था। शाम करीब सात बजे पकनी चैक में विपरीत दिशा से आ रहे स्कूटी क्रमांक सीजी 29 जेएच 8560 में सवार दो युवकों से इनकी टक्कर हो गई। पुरूषोत्तम को आई गंभीर चोटों को देखते हुए स्वजन उसे होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई को साधारण चोटें आई है। दुर्घटना में दूसरे स्कूटी में सवार युवकों में से एक को गंभीर चोटें आई थी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

घर का ताला तोड़कर 50 हजार रुपये चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन सीतापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजौटी आमापारा में सूने मकान का ताला तोड़कर 50 हजार रुपये नकद चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। अंजुला किण्डो ने पुलिस को बताया है कि 25 नवम्बर को सुबह 9 बजे वह अपने पति अजित किण्डो एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर में ताला लगाकर अपने खेत में धान काटने व खेत में काम करने गई थी। दोपहर 12 बजे अपने पति के साथ वापस घर लौटी तो ताला टूटा था। घर के अंदर जाने पर अलमारी क्षतिग्रस्त मिला और 50 हजार रुपये नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

आधार कार्डधारकों के लिए मिसमैच बना मुसीबत, हैदराबाद तक सफर के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं

कुछ आवेदक दो-तीन वर्षों से कार्यालय का चक्कर काट रहे, उच्च स्तर से मिल रहा गोल-मोल जवाब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से जारी किए जाने वाले आधार कार्ड में बॉयोमैट्रिक मिसमैच होने से कई कार्डधारक लम्बे समय से परेशान हैं। कहने को स्थानीय स्तर पर ई-जिला प्रबंधक, ई-गवर्नेंस का कार्यालय है, लेकिन ऐसे आधार कार्डधारकों की समस्या का निराकरण इस कार्यालय से भी नहीं हो पा रहा है। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिसमें दो-तीन वर्ष से मिसमैच की समस्या के निवारण के लिए आवेदक भटक रहे हैं। आवेदन देते थक-हार चुके आवेदक हैदराबाद स्थित यूआईडीएआई के दफ्तर तक का चक्कर लगाकर वापस आ चुके हैं, लेकिन समस्या यथावत है। इधर स्कूल में शिक्षा लेने वाले बच्चों के अपार आईडी की अनिवार्यता ने न सिर्फ अभिभावकों की बल्कि शिक्षक-शिक्षिकाओं की मुसीबत बढ़ा दी है। बच्चों के द्वारा जमा किए गए आधार कार्ड में लगभग हर स्कूलों से विसंगतियां, त्रुटियां निकलकर सामने आ रही हैं। ऐसे में अपार आईडी के काम पूर्ण होने में भी दिक्कत की स्थिति बन रही हैं। कहीं बच्चों के नाम के स्पेलिंग में तो कहीं माता-पिता के नाम के स्पेलिंग में मिस्टेक जैसी स्थिति बन रही है। ऐसे कई मामले स्थानीय ई-गवर्नेंस कार्यालय तक पहुंच रहे हैं। स्थानीय स्तर पर ई-गवर्नेंस का काम देखने वाले ई-जिला प्रबंधक आधार कार्डधारकों की संतुष्टि और त्रुटि दूर करने के लिए उच्च स्तर पर रायपुर और हैदराबाद के अधिकारियों से

बात करके और ई-मेल, व्हाट्सएप के माध्यम से सारी वस्तुस्थिति से अवगत कराते जरूर हैं, लेकिन समस्या निराकरण की स्थिति का रेसियो एक से दो प्रतिशत है। ऐसे में मिसमैच जैसी स्थिति का सामना कर रहे आधार कार्डधारकों की समस्या जस की तस बनी हुई है।

एक साथ दो लोग हो रहे प्रभावित

आधार कार्ड बनवाते समय बॉयोमैट्रिक मिसमैच की स्थिति में एक साथ दो आधार कार्डधारकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इनका बैंक खाता, पेनकार्ड, आधार कार्ड से लिंक नहीं हो पा रहा है, वहीं आधार कार्ड हाथ में रहने के बाद भी वह किसी काम का नहीं है। नमनाकला निवासी दो युवतियां प्रियंका विश्वकर्मा व अलिशा एक्का भी ऐसी स्थिति का सामना कर रही हैं। दोनों का ही आधार कार्ड बना है, लेकिन बायोमैट्रिक मिसमैच की स्थिति से दोनों जूझ रहे हैं। प्रियंका विवाह के बाद झारखंड चली गई, लेकिन आधार कार्ड नहीं होने की स्थिति में उसे कई शासकीय योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा है। अलिशा भी ऐसे हालातों से जूझते हैदराबाद में स्थित यूआईडीएआई के कार्यालय तक से वापस लौट चुकी है, लेकिन उसकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। आज की स्थिति में 40 से अधिक ऐसे आधार धारक ई-जिला प्रबंधक के संपर्क में आ चुके हैं।

बच्चों का अपार आईडी नहीं हो रहा जनरेट

शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय और निजी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों के अपार आईडी बनाई जानी है। यह काम सरगुजा संभाग में भी बीते कई दिनों से चल रहा है, लेकिन अपार आईडी बच्चों, शिक्षकों के साथ अभिभावकों के लिए मुसीबत बन गई है। बच्चों के प्रवेश की शुरूआत अब नर्सरी से ही होने लगी है। अपार आईडी जनरेट करने की अनिवार्यता के बाद बच्चों का नाम दाखिला रजिस्टर, आधार कार्ड व स्कूल के यू-डायस में एक समान होना चाहिए, कई बच्चों का नाम इन तीन जगह में अलग-अलग होने से अपार आईडी जनरेट नहीं हो रहा है, इस कारण शिक्षक व अभिभावक परेशान हैं। शिक्षकों का मानना है कि अपार आर्डडी भविष्य में बच्चों के लिए अच्छा है, लेकिन वर्तमान में स्कूल के दाखिला रजिस्टर व आधार कार्ड में मिसमैच होने के कारण सुधार कराना बेहद पेचीदा है। नियमानुसार किसी छात्र का नाम विद्यालय के दाखिला-पंजी और आधार कार्ड में एक समान होना अनिवार्य है।

बच्चों की शिक्षा का है स्थायी डिजिटल पहचान

अपार की पहल सरकार द्वारा शुरू किए गए वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी कार्यक्रम का हिस्सा है, जो 2020 की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ है। अपार आईडी में 12 अंकीय कोड प्राप्त होगा, इसमें बच्चों का स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेडशीट, डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाणपत्र व सह-पाठ्यचर्या उपलब्धि समेत अपने सभी शैक्षणिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहित मिलेगा। यह आईडी बच्चों की शिक्षा के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान है, जो अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) व डिजिलॉकर से जुड़ा हुआ है। अपार आईडी का काम तमाम ताकत झोंकने के बाद भी शत-प्रतिशत पूरा नहीं हो पा रहा है, इसके पीछे कारण शैक्षणिक दस्तावेजों में मिसमैच होना है। इधर शिक्षकों को आपार कार्ड बनाने में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई जैसी स्थिति न बने, इसका भय सता रहा है और वे ई-जिला प्रबंधक के कार्यालय तक बच्चों का शैक्षणिक दस्तावेज लेकर आ रहे हैं। ई-गवर्नेंस कार्यालय बधियाचुआं से पहुंची शिक्षिकाओं ने बताया कि उनके स्कूल के 14 बच्चों का दस्तावेज, बॉयोमैट्रिक मिसमैच है, जिस कारण अपार आईडी जनरेट होने में दिक्कत हो रही है।

जुड़वा बच्चों के अभिभावक भी पशोपेश में

आधार कार्ड की अनिवार्यता के बीच जुड़वा बच्चों के अभिभावक भी पशोपेश में हैं। इसके पीछे कारण बच्चों का नाम भले अलग हो, लेकिन पिता, माता का नाम, जन्मतिथि एक होने से इनका आधार कार्ड आसानी से नहीं बन पता है, आवेदन रिजेक्ट होने की स्थिति बन जाती है। ऐसे में ई-गवर्नेंस के ई-जिला प्रबंधक की ओर से एक बच्चे का आधार कार्ड बनने के बाद दूसरे बच्चे का आवेदन करने की सलाह दी जा रही है। इस समस्या से शहर और ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक भी भटक रहे हैं।

> आधार कार्डधारकों के बॉयोमैट्रिक मिसमैच से संबंधित 41 मामला अभी तक उनके संज्ञान में आया है। स्कूली बच्चों का मिसमैच का मामला सर्वाधिक सामने आ रहा है। सभी मामले को वे उच्च स्तर पर स्थित यूआईडीएआई के कार्यालय तक पहुंचाने में लगे हैं। वर्ष 2024 में हैदरबाद से आए अधिकारियों की टीम के द्वारा भी शिविर के माध्यम से भी कई आधार कार्डधारकों की समस्या का समाधान किया गया था। वर्तमान में मिसमैच के कुछ मामले लम्बे समय से लम्बित हैं, इसके निराकरण के लिए उच्च स्तर पर अधिकारियों का उन्होंने ध्यानाकर्षण कराया है।
>
> **वैभव सिंह, ई-जिला प्रबंधक, ई-गवर्नेंस**

कार की ठोकर से वेल्डिंग दुकान का संचालक घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार की ठोकर से घायल वेल्डिंग दुकान का संचालक रायपुर के अस्पताल में वेंटिलेटर पर है। स्वजन उसके इलाज में आ रही आर्थिक दिक्कत से जूझ रहे हैं। घटना की रिपोर्ट घायल की पत्नी ने लखनपुर थाना में दर्ज कराते हुए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है।

जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टपरकेला निवासी वेल्डिंग दुकान का संचालक इंद्रजीत अगरिया 26 नवम्बर को सुबह 11 बजे ग्राम केवरा से लखनपुर जा रहा था, इसी दौरान अंबिकापुर से उदयपुर की ओर कार से जा रहे पटवारी अलबर्ट तिग्गा ने ग्राम केवरा तहसील के पास लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए उसे ठोकर मार दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इंद्रजीत को गंभीर रूप से सिर में चोंट आई थी और वह कोमा में चला गया, पसली की हड्डी और दायां पैर टूट गया। डॉयल 112 की टीम ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक उसे हायर सेंटर ले जाने की सलाह दिए थे, लेकिन स्वजन उसका अंबिकापुर के ही एक निजी अस्पताल में ले गए, यहां से रायपुर में स्थित ओम हास्पिटल रेफर कर दिया गया, यहां इमरजेंसी वार्ड के आईसीयू में वेंटीलेटर में घायल को रखा गया है। घायल की पत्नी मनोरमा अगरिया के पास इलाज कराने के लिए रुपये नहीं है, ऐसे में वह आर्थिक दिक्कतों का सामना कर रही है। घायल वेल्डिंग दुकान संचालक के चार छोटे-छोटे बच्चे हैं, इनके जीवकोपार्जन में भी दिक्कत की स्थिति बन रही है। परेशान महिला ने आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित समय-सारणी जारी

16 दिसम्बर को होगा मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में चलाये जा रहे निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है।

जारी संशोधित कार्यक्रम अनुसार आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया में वृद्धि की गई है। जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्रम की तिथियां बदल गई हैं। संशोधित तिथियों के अनुसार एन्यूमरेशन पीरियड 11 दिसंबर 2025 तक चलेगा। मतदान केंद्र का पुनर्व्यवस्थापन 11 दिसंबर 2025 तक कर दी गई है। इसी प्रकार कन्ट्रोल टेबल में अद्यतनीकरण तथा मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन की तैयारी 12 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक चलेगा। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 16 दिसंबर 2025 को किया जाएगा।

दावा आपत्ति दर्ज करने की संशोधित अवधि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावा-आपत्ति पर सुनवाई और सत्यापन तथा निराकरण का कार्य 16 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक चलेगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 (शनिवार) को किया जाएगा।

धान खरीदी केंद्रों में सतत मॉनिटरिंग करें : कलेक्टर

★ समय-सीमा की बैठक संपन्न ★ राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश ★ जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने धान खरीदी, एसआईआर, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड, पीएम जनमन गतिविधि, सहित विभिन्न योजनाओं, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर प्रगति लाने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से धान खरीदी केंद्रों का भ्रमण कर सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें, ताकि खरीदी व्यवस्था पूर्ण रूप से सुचारू और पारदर्शी रहे। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि खरीदी केंद्रों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने केंद्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, धान की नमी की जांच, तौल उपकरणों की शुद्धता, टोकन वितरण और ऑनलाइन एंट्री को समयबद्ध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी खरीदी केंद्र में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने अवैध धान परिवहन गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात टीम सतर्कता बरतते हुए बाहरी राज्यों से होने वाले अवैध धान के प्रवेश पर सतत निगरानी बनाए रखें। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने एग्रीस्टेक पंजीयन की भी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए भरे हुए गणना और घोषणा पत्रों के डिजिटाइजेशन के कार्य को तेजी से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पात्र मतदाताओं को शामिल करने तथा अपात्र मतदाता को हटाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने लोक सेवा केंद्र में प्राप्त विभिन्न आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व संबंधी प्रकरणों, अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन, भू अर्जन मुआवजा राशि से जुड़े मामलों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री कटारा ने निर्देशित करते हुए कहा कि लोक सेवा केंद्र में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समय-सीमा के भीतर और पूर्ण पारदर्शिता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना की विकासखंडवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवास योजना की साप्ताहिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देते हुए निर्माणाधीन आवासों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए टीकाकरण, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी ली। उन्होंने चिरायु योजना के अंतर्गत बच्चों की स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर और गंभीर बीमारियों के उपचार की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा कर लक्ष्य के अनुरूप कार्ड निर्माण, वितरण प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए, ताकि जिले के सभी पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 07 दिसम्बर को आयोजित होने वाली परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम जनमन, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, श्री चेतन बोरघरिया, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएवी स्कूल बिश्रामपुर में लगाई गई शैक्षणिक प्रदर्शनी

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती के मार्गदर्शन में 29 नवंबर को जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर साइंस, एवं कला विषयों के वर्किंग व स्टैटिक मॉडलों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक के साथ भाग लेकर अपनी पूरी लगन व कड़ी मेहनत से मॉडलों व प्रोजेक्ट को साकार रूप दिया। मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के कर कमलों से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। बिश्रामपुर के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों व अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी को देखा और बच्चों के प्रयास एवं क्रियात्मकता की खूब सराहना की। यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह व अन्य अतिथियों क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेन्द्र नारायण सिंह, एसके शिंदे एपीएम बिश्रामपुर क्षेत्र एवं गणमान्य अतिथियों का विद्यालय प्राचार्या अनामिका भारती एवं वरिष्ठ अध्यापकों द्वारा सैपलिंग भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ-साथ विविध विषयों को समझने में सहायक सिद्ध होगी और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगी। इससे प्रेरित होकर विद्यार्थी अपने जीवन को नई दिशा प्रदान कर पाएंगे। प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने कहा कि ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता एवं सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। वे अलग-अलग विषयों के नवाचार से परिचित हो पाते हैं और अपनी नवीन कल्पना को साकार रूप दे पाते हैं। कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका अर्पणा मिश्रा ने किया।

पीएम श्री जयनगर में नवपदस्थ प्राचार्या पुष्पा राय ने संभाला पदभार

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में सोमवार को नई प्राचार्या श्रीमती पुष्पा राय ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण में पूर्व प्राचार्य विरेन्द्र जायसवाल ने औपचारिक रूप से उन्हें प्रभार सौंपते हुए पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने श्रीमती पुष्पा राय को उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं। नवपदस्थ प्राचार्या पुष्पा राय ने पदभार ग्रहण करने उपरांत विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों की प्रगति और अनुशासन को सर्वोपरि रखने की बात कही तथा सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई है।

छग के युवा प्रतिभागी त्रिपुरा में अपना परिचय छत्तीसगढ़ से आए हैं प्यार मोहब्बत लाए हैं नारों के साथ दिया

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। त्रिपुरा के अगरतला में अंतरराष्ट्रीय हेरिटेज फेस्ट का आयोजन त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. डा. मानिक शाहा के मुख्य आतिथ्य में 20 से 26 नवंबर तक आहूत की गई। अन्य अतिथियों में त्रिपुरा सरकार के युवा एवं खेल मंत्री टिंकू राय, सचिव रन सिंह परमार, अध्यक्ष तपन लोध, देवाशीष मजूमदार मुख्य रूप से उपस्थित थे। लगातार चौथे वर्ष अंतर्राष्ट्रीय फेस्ट के उद्घाटन को मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक बताया और अगले वर्ष इससे भी वृहद रूप से फेस्टिवल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर एनवाईपी के प्रदेश अध्यक्ष विनय गुप्ता को त्रिपुरा का पारंपरिक रिशा और प्रतीक चिन्ह देकर मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। विनय गुप्ता के नेतृत्व में चार युवा प्रतिभागी अनादि मरावी, शोभा मरावी, ज्योति मार्को और दिव्यमां मरावी ने हेरिटेज फेस्ट में हिस्सा लिया। जिन्होंने नारों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति कर्मा, सुगा और छत्तीसगढ़ी नृत्य से सभी को अवगत कराया।

अंतर्राष्ट्रीय हेरिटेज फेस्ट में भारत के 26 राज्यों सहित नेपाल, श्रीलंका और सात अफ्रीकन देशों के 400 युवक युवतियों ने हिस्सा लिया। अंतर्राष्ट्रीय फेस्ट के दौरान अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त विश्वविजय सिंह तोमर और अगरतला के महापौर दीपक मजूमदार, कवलजीत सिंह ढिंनसा पंजाब और प्रचंड जायसवाल ओडिशा भी उपस्थित रहे। विश्व विजय सिंह तोमर ने युवाओं को उद्बोधन देते हुए कविता के माध्यम से युवा क्या है, यह बताया। त्रिपुरा की संस्कृति सभ्यता और कार्यक्रम की भव्यता देख उन्होंने छत्तीसगढ़ में इस प्रकार के कार्यक्रमों को करने का आश्वासन दिया। युवा विकास केंद्र द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हेरिटेज फेस्ट 2025 में राष्ट्रीय युवा योजना, विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और बजाज फाउंडेशन के साथ-साथ त्रिपुरा सरकार का विशेष योगदान रहा।

फेस्टिवल के सफल संचालन में पिंकू दास, प्रतिमा देववर्मा, पांचाली देववर्मा, सुकांतो सरकार, मनीष देवनाथ, रंजीत सिंह, दीप्तनु मजूमदार का विशेष योगदान रहा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने चांदो आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, प्राथमिक उपचार व्यवस्था तथा दवाओं की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री कटारा ने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी, ओपीडी पंजी, अन्य पंजीयों का अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल परिसर का भी भ्रमण कर वहाँ की स्वच्छता व्यवस्था और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

बिश्रामपुर लैब अपनी गुणवत्ता, अनुशासन और पारदर्शिता के मानकों पर उतरी खरा

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। क्षेत्रीय कोयला एवं गैस जांच प्रयोगशाला में नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज के वरिष्ठ असेसर गुणवत्ता निरीक्षण हेतु नरेश शर्मा पहुंचे थे। लैब में प्रवेश करते ही नरेश शर्मा ने नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज मानकों के अनुरूप दस्तावेजों की गहन समीक्षा की। उन्होंने परीक्षण प्रक्रिया, रिकॉर्ड-कीपिंग, कैलिब्रेशन डेटा, सुरक्षा मानकों और रिपोर्टिंग फॉर्मेट तक को बड़े ही ध्यान से परखा। इसके बाद वे सीधे उपकरण अनुभाग की ओर बढ़े, जहां उन्होंने एक-एक मशीन को परखते हुए उसकी कार्यक्षमता, रखरखाव और संचालन की प्रणाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि बिश्रामपुर लैब अपनी गुणवत्ता, अनुशासन और पारदर्शिता के मानकों पर बिल्कुल खरा उतरती है। यहां की टीम का प्रोफेशनल रवैया सराहनीय है। सिंहावलोकन के बाद आयोजित कार्यक्रम में लैब कर्मियों की मेहनत रंग लाई। गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को विशेष प्रशंसा पत्र और प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार लेते समय कर्मचारियों के चेहरों पर आत्मविश्वास झलक रहा था। इसी क्रम में गुणवत्ता जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता ने भी समारोह में अलग ही ऊर्जा भर दी। सही परीक्षण सही भविष्य, क्वालिटी हमारी पहचान जैसे नारे पढ़कर सभा में मौजूद लोगों को सुनाकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया गया। विजेताओं को शर्मा के हाथों पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज असेसर का मार्गदर्शन और निरीक्षण न केवल तकनीकी गुणवत्ता की पुष्टि करता है, बल्कि टीम को बेहतर कार्य करने का निरंतर प्रेरणास्त्रोत भी है। कर्मचारियों ने भी खुलकर बताया कि ऐसे निरीक्षण से न सिर्फ कार्यप्रणाली सुधरती है बल्कि आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ जाता है।

नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज के असेसर का सकारात्मक फीडबैक कर्मचारियों के लिए नई ऊर्जा बनकर सामने आया। निरीक्षण दिवस न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया रहा, बल्कि गुणवत्ता और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण भी बना।

जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 7 को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 07 दिसम्बर को जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई है जिसके लिए 756 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है।

जहां प्रातः 12:00 बजे से 02:15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी। जिसमें लगभग 2 लाख 30 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 16 जिलों (अंबिकापुर, कोरिया, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, धमतरी, दुर्ग, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कांकेर, कबीरधाम, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़, रायपुर, राजनांदगांव) में आयोजित की जा रही है। जिसमें राज्य के सभी 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे।

अभ्यर्थियों को 2 घंटे पहले परीक्षा केन्द्र पहुंचना होगा अनिवार्य

व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर (व्यापम) द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शिता पूर्ण एवं सफलतापूर्वक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। अभ्यर्थी परीक्षा से पूर्व इन दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें और निर्धारित समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों व समुचित पहनावे के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचें। निर्देशों का पालन नहीं करने पर अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। व्यापम द्वारा आयोजित आगामी सभी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में परीक्षा शुरू होने के कम से कम 02 घण्टे पहले परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के निर्देश दिए गए है। ताकि प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों का अनिवार्य रूप से फ्रिस्किंग समय पर किया जा सके। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। इसके लिए परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान रखेंगे।

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा में हो शामिल

परीक्षा में शामिल होने परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा में शामिल हो (काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़ा पहनना वर्जित होगा)। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा (स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं है) तथा फुटवियर के रूप में चप्पल पहनना अनिवार्य होगा। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्स, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी प्रतिबंधित

परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभियर्थियों को अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना होगा इसके लिए ऐसे पोषाक वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में समान्य समय से पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी द्वारा निर्देशों का पालन नहीं करने, अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर परीक्षा से वंचित किया जाएगा।

कलेक्टर ने तातापानी महोत्सव के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तातापानी महोत्सव मकर संक्रांति पर्व 2026 के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर को नोडल अधिकारी तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बलरामपुर श्री अभिषेक गुप्ता को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, साथ ही उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को कार्य एवं दायित्व सौंपा है।

कलेक्टर श्री कटारा ने पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, यातायात एवं पार्किंग, वनमण्डलाधिकारी को बैरिकेडिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी है। इसी प्रकार संबंधित एवं विभागीय अधिकारियों को विभिन्न कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। जिसमें सम्पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था, विभागीय स्टॉलों का आबंटन, बैठक व्यवस्था, मेला स्थल समतलीकरण, सुधार कार्य, ले-आउट, बैरिकेडिंग, मंच निर्माण, टेंट-पंडाल, साउण्ड सिस्टम की व्यवस्था एवं शासकीय स्टॉल का निर्माण, दुकानों हेतु स्थल चिन्हांकन, आबंटन, पार्किंग व्यवस्था, तातापानी मेला स्थल पर निर्बाध विद्युत की व्यवस्था, मंदिर परिसर की साज-सज्जा, स्वच्छता, नेटवर्किंग व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, तातापानी महोत्सव के प्रचार-प्रसार जैसे अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया है।

जनदर्शन में आमजनों की सुनी गई समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के समक्ष रखा। जनदर्शन में आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन कर कलेक्टर ने सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। अपर कलेक्टर सरगुजा सुनील नायक द्वारा प्राकृतिक आपदा में 13 मृतकों के वारिसों को 52 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिसमें तहसील लखनपुर के जूनालखनपुर निवासी शोएब खान की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस शबाना खान, तहसील लखनपुर पुहपुटरा निवासी बलीराम की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस चन्द्रमणी, तहसील लखनपुर के कोसंगा निवासी संतराम की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस अंजू बाई, तहसील उदयपुर के चकेरी निवासी शांति की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस एतवार, तहसील धौरपुर लुण्ड्रा के चकोरी निवासी बिंदेश्वरी की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस इन्दरदेव, तहसील दरिमा के सोहगा निवासी अंकित गुप्ता की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस शंकर गुप्ता, तहसील दरिमा के खजूरी निवासी सुधना बाई की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस बाबूलाल, तहसील अम्बिकापुर के मेंण्ड्राखुर्द निवासी इंद्रवती की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस छोटेलाल कौशलेंद्र, तहसील अम्बिकापुर के मायापुर निवासी शनि सिंह की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस विमला सिंह, तहसील अम्बिकापुर के पोड़ीखुर्द निवासी सुनील एक्का की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस बुधकेवर, तहसील सीतापुर के सूर निवासी आशीष पन्ना की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस कनकसाय पन्ना, तहसील सीतापुर के सरगा निवासी बुधदेव की मृत्यु सांप के काटने से होने पर उनके वारिस मंगली एवं तहसील बतौली के कुनकुरीकला निवासी रोशन पैंकरा की मृत्यु आकाशीय बिजली से होने पर उनके वारिस लीलावती पैकरा को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इस राशि की मंजूरी राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 संशोधित प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत दी गई है।

कलेक्टर ने प्रशासनिक कार्य विभाजन आदेश किया जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर ने जिले के राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कार्य विभाजन में प्रशासनिक दृष्टिकोण से संशोधन करते हुए नवीन आदेश जारी किया है। आदेशानुसार अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही वीआईपी आगमन व्यवस्था, कॉलोनी विकास अनुमति, पासपोर्ट एवं विदेशी नागरिकता, विवाह अधिकारी, भवन अनुज्ञा,विशेष विवाह मामले, उत्तराधिकारी शोध क्षमता, भारतीय नागरिकता, ऋण भारमुक्त आदि प्रमाण पत्र। प्रभारी अधिकारी वित्त शाखा, भू-अर्जन अधिकारी, भू-अर्जन शाखा सहित कुल 19 शाखाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य अधिकारियों के कार्य दायित्व में अपर कलेक्टर अमृत लाल ध्रुव को आबकारी विभाग, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, जिला कोषालय, नाजरात शाखा, डीएमएफ, जनगणना शाखा, सूचना के अधिकार अपीलीय अधिकारी सहित कुल 21 शाखाओं के महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गए। उपायुक्त (रा.) एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शारदा अग्रवाल को उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) के रूप में दायित्व सौंपा गया है। साथ ही कलेक्टर वाचक शाखा, पुरातत्व, संग्रहालय, संस्कृति एवं पर्यटन शाखा धर्मस्व शाखा एवं मोटर व्हीकल्स टेक्सेसन एक्ट सहित महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गए हैं। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती उमा राज को जनसंपर्क स्वेच्छा अनुदान, राहत शाखा, विभागीय जांच, आवक जावक शाखा, बीस सूत्रीय शाखा, पुर्नवास शाखा, राजस्व अभिलेख कोष सहित 14 अन्य शाखाओं की जिम्मेदारी दी गई।

गीता जयंती पर मालवीय मिशन द्वारा आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महामना मालवीय मिशन सरगुजा द्वारा गीता जयन्ती के अवसर पर भारतेंदु भवन में विविध आयोजन किए गए। केंद्रीय कार्य समिति के निदेर्शानुसार गीता के पन्द्रहवें अध्याय का सस्वर पाठ एवं गीता आरती की गई। आध्यात्मिक संगोष्ठी की शुरूआत में मुख्य अतिथि स्वामी तन्मयानन्द महाराज ने गीता के विश्वव्यापी प्रभाव पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि गीता मोहजनित अज्ञान को नष्ट कर हर परिस्थिति में जीवन जीने की कला सिखाने वाली अनुपम ग्रंथ है। वास्तव में गीता युद्ध भूमि कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद ही नहीं बल्कि धर्म की स्थापना के लिये कठिन से कठिन स्थिति में निर्णय लेने की प्रेरणा भी है। आत्मा की अमरता, निष्काम कर्म, भक्ति और ज्ञान की सीख देने वाली गीता हर युग में प्रासंगिक है। श्रद्धा समर्पण और त्याग से जीवन को मोक्ष की ओर अग्रसर करने का निरन्तर अभ्यास करना चाहिए। मिशन के पूर्व अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.एन.द्विवेदी ने मोक्षदा एकादशी एवं गीता जयन्ती की बधाई देते हुए पुरुषोत्तम योग नामक पन्द्रहवें अध्याय की विस्तार से व्याख्या की। पंडित रामनारायण शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण योगेश्वर ईश्वरीय विभूति थे। गीता में ममता मोह त्यागने और निर्धारित स्वकर्म को करने की प्रेरणा मिलती है। न्याय के लिए अपने बन्धु को दण्ड देना धर्म है। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद तिवारी ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षीय उदबोधन में गीता मर्मज्ञ हरिशंकर त्रिपाठी ने गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसी भी शंका के समाधान के लिए जिज्ञासा और उसका व्यवहारिक हल तलाशने के लिए सार्थक प्रयास पर जोर दिया। 1 से 7 जुलाई तक अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव की सभी को शुभकामनाएं दी। आयोजन का सफल संचालन प्रकाश कश्यप ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. वही.के.सिंह ने किया। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर राजकुमार गुप्ता, डॉ.जी.के. अग्रवाल, जयप्रकाश चौबे, अजय श्रीवास्तव, मदालसा गुप्ता, रासबिहारी मिश्र, जगदीश प्रसाद गुप्ता, हरिशंकर सिंह, अशोक सोनकर, उमेश सिंह, जय गुप्ता, मुकुन्दलाल साहू तथा अन्य भक्तजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 8 हजार से अधिक महिलाओं ने किया आवेदन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब परिवार की महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है। योजना के तहत राज्य की महिलाओं को भी निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। योजना से प्राप्त स्वच्छ ईंधन से महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई है। इसी कड़ी में खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के तहत वर्ष 2025-26 में जिले को 6235 नए कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन जारी किए जाने की प्रक्रिया जारी है। लक्ष्य के विरुद्ध योजना का लाभ लेने के लिए शिविर के माध्यम से कुल 8143 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें 3421 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। 2459 आवेदन अस्वीकृत एवं 1193 आवेदन का परीक्षण शेष है। स्वीकृत आवेदनों में से कुल 2437 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया गया है तथा 501 का एसवी जारी हो गया है। जिला प्रशासन ने निर्देश जारी किए हैं कि जिन हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण है, वे अपनी गैस एजेंसी में जाकर शीघ्र अपना गैस कनेक्शन प्राप्त करें।

विकासखण्डवार जानकारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न विकासखण्डों में उज्ज्वला योजना के तहत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत आवेदनों, ई-केवाईसी और कनेक्शन वितरण की स्थिति इस प्रकार है। उदयपुर ब्लॉक में 620 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 122 स्वीकृत हुए और 117 ई-केवाईसी पूर्ण हैं। सीतापुर ब्लॉक में 793 आवेदन आए, 350 स्वीकृत हुए और 65 ई केवाईसी पूर्ण। बतौली ब्लॉक में 1465 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 136 स्वीकृत और 100 ई केवाईसी पूर्ण हैं। इसी प्रकार मैनपाट ब्लॉक में 770 आवेदन आए, 281 स्वीकृत और 462 ई केवाईसी पूर्ण हैं। अंबिकापुर ब्लॉक में कुल 2994 आवेदन प्राप्त हुए, 1868 स्वीकृत तथा 1219 ई केवाईसी पूर्ण हैं।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर पूर्व स्वास्थ मंत्री ने जताई चिंता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रदेश की स्वास्थ व्यवस्था को लेकर पूर्व स्वास्थ मंत्री टीएस सिंहदेव ने चिंता जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। दरअसल सुरजपुर जिले के एक पीएचसी के बाहर आदिवासी महिला के प्रसव के मामले पर पूर्व स्वास्थ मंत्री टीएस सिंह देव का बयान दिया है। प्रदेश की स्वास्थ व्यवस्था को लेकर पूर्व स्वास्थ मंत्री टीएस सिंहदेव ने चिंता जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। दरअसल सुरजपुर जिले के एक पीएचसी के बाहर आदिवासी महिला के प्रसव के मामले पर पूर्व स्वास्थ मंत्री टीएस सिंहदेव का बयान दिया है। सिंहदेव ने कहा कि प्रसव के लिए पहुंची महिला को पीएचसी में ताला लटका मिला, जो सरकार की असंवेदनशीलता को दशार्ता है। सिंहदेव ने कहा कि पीएचसी में 24 इनटू 7 की सुविधा होती है और वहां स्टाफ का न होना चिंताजनक और दुखद है इस घटना को उन्होंने बेहद दुखद बताते हुए सरकार पर हमला बोला है।

राजभवन का नाम लोकभवन रखने पर किया कटाक्ष

वहीं राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन रखने के मामले को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भाजपा की केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया है। सिंहदेव ने कहा कि लोक द्वारा चुने हुए नहीं बल्कि अपने द्वारा चुने हुए लोगो को ये लोग लोक का नाम दे रहे हैं। राज्यपाल जनता के द्वारा नहीं बल्कि प्रधानमंत्री और रास्ट्रपति के द्वारा चुने जाते हैं। ऐसे में राज्यपाल एक पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए दिखते हैं। उन्होंने कहा कि ये अफसोस और शर्म की बात की राज्यपाल के भवन और कार्यालय को लोकभवन कहा जायेगा। सिंहदेव ने कहा कि ये इनकी मानसिकता को दशार्ता है ये चाहते हैं कि देश की व्यवस्था पर सम्पूर्ण रूप से शिकंजा कस लें। ये एक ही सरकार चलाना चाहते हैं जो दिल्ली से चला करेगी। ये अपने चुने हुए लोगों को जहां जहां भेंजेगे उन्हें लोक कहा जायेगा जनता के द्वारा चुने हुए लोगों को नहीं।

जमीन के गाइडलाइन दर में बढ़ोत्तरी को सरकार का तुगलकी फरमान

वहीं जमीन के गाइडलाइन दर में बढ़ोत्तरी को सरकार का तुगलकी फरमान बताते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। सिंहदेव ने कहा कि जमीन की गाइडलाइन के दर में वृद्धि करना सरकार का तुगलक्की फरमान है और सरकार जनता से एन केन प्रकारेण वसूली करना चाहती है। सिंहदेव ने आरोप लगाया कि सरकार पैसे की उगाही जनता से कर रही है और जनता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। जमीन की गाइडलाइन में हुई वृद्धि के विरोध में दुर्ग में हुए लाठीजार्ड के मामले को लेकर भी सिंहदेव ने सरकार को जमकर घेरा है। सिंहदेव ने कहा कि सरकार के पास अब कुछ नहीं बचा वह जनता को समझाने के बजाय लाठीचार्ज करवा रही है। सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सरकार की 2 साल की उपलब्धियां यही है जनता के लिए जिस जनता ने भाजपा को 5 साल के लिए मौका दिया वह भाजपा सरकार जनता पर लाठी चार्ज करा रही है।

वाटरशेड महोत्सव अंतर्गत प्रतियोगिता में इच्छुक प्रतिभागी कर सकते हैं पंजीयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के सहयोग से जलग्रहण विकास कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भूमि संसाधन विभाग द्वारा 'वाटरशेड महोत्सवज्का आयोजन किया जा रहा है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले में वाटरशेड महोत्सव अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के साथ 'सोशल मीडिया प्रतियोगिताज् का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में रील विजेता को 50 हजार रुपये व फोटोग्राफ विजेता को एक हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रतियोगिता 31 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी। कोई भी इच्छुक व्यक्ति जल संचयन संरचनाओं, बागवानी, कृषि वानिकी तथा डब्ल्यूडीसी पीएमकेएसवाई 1.0 एवं 2.0 सहित अन्य वॉटरशेड योजनाओं के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं और उनसे समुदाय को होने वाले लाभों को दशार्ते हुए 30 से 60 सेकंड का लघु वीडियो, रील या फोटो तैयार कर सकते हैं। प्रतिभागियों को अपनी सामग्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते समय निर्धारित हैश टैग डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई-वाटरशेड महोत्सव 2025 का उपयोग करना अनिवार्य होगा। पोस्ट करने के बाद प्रतिभागियों को निर्धारित वेबसाइट पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण एवं नामांकन करना होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई सामग्री का लिंक भी पंजीकरण पोर्टल पर उपलब्ध होगा, इसके बाद उन्हें सफल पंजीकरण का पुष्टिकरण मेल प्राप्त होगा। प्रतियोगिता अवधि समाप्त होने के पश्चात 31 जनवरी 2026, शाम 6 बजे तक प्रतिभागियों को अपने पोस्ट के रिच (व्यू), इंगेजमेंट (लाइक एवं कमेंट) का स्क्रीनशॉट पोर्टल पर जमा करना होगा। आईडब्ल्यूएमपी, डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 1.0 और 2.0 के तहत विकसित जल संचयन संरचनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी भी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

तुलसीराम को रासायनिक नहीं प्राकृतिक खेती ने दी नई पहचान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के विस्तार से उन्हें नई दिशा मिली किसान तुलसीराम मौर्य। मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद तुलसीराम ने श्री विधि से कुटकी, कोसरा और रागी की खेती शुरू की। नई तकनीक और प्राकृतिक तरीकों ने उनके खेतों में नई जान डाल दी। उत्पादन बढ़ा, मिट्टी की गुणवत्ता सुधरी और रासायनिक उर्वरक तथा कीटनाशकों का उपयोग पूरी तरह बंद हो गया। किसान तुलसीराम मौर्य जो दंतेवाड़ा जिले के गीदम विकासखंड के ग्राम छिंदनार (बड़े पारा) निवासी हैं आज प्राकृतिक खेती के सफल उद्यमी बनकर क्षेत्र के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। पहले वे परंपरागत खेती में अधिक खर्च और कम उत्पादन से परेशान रहते थे। रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी की ताकत भी लगातार घट रही थी। इसी दौरान उन्होंने गोबर खाद, जीवामृत और नीम-लहसुन आधारित जैविक घोल का प्रयोग शुरू किया, जिससे खेती की लागत में काफी कमी आई। साथ ही प्राकृतिक तरीके से उगाई गई सब्जियों में भिंडी, करेला, लौकी, टमाटर, मिर्च आदि से उन्हें रोजाना आय होने लगा। बाजार में उनकी उपज को जैविक उत्पाद होने के कारण बेहतर मूल्य भी मिलता है। तुलसीराम की सफलता देखकर गांव के 20 से अधिक किसान भी श्री विधि और प्राकृतिक खेती अपनाने लगे हैं।

दो दिन में 12 प्रकरणों में 1.37 करोड़ रुपए से अधिक का 4447 क्विंटल धान जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य शासन किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है, जिसका गलत लाभ उठाने कोचिया एवं बिचौलिए ओड़िशा से धान लाकर बेचने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धान के अवैध भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने सभी जिले के कलेक्टरों को निर्दिशित किया है। उन्होंने कहा है कि धान के अवैध भंडारण और परिवहन में शामिल व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वास्तविक किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन की सख्त रुख से लगातार कार्रवाई चल रही है। कलेक्टर के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में गठित संयुक्त जांच दलों ने 30 नवंबर और 01 दिसंबर को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 12 प्रकरणों में 4447.20 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया है, जिसमें तीन अंतर्राज्यीय प्रकरण भी शामिल हैं। जब्त धान का मूल्य 1 करोड़ 37 लाख 86 हजार रुपए से अधिक आंका गया है। प्रशासन की यह कड़ी कार्रवाई खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बाहरी धान की अवैध आवाजाही रोकने और वास्तविक किसानों के हितों की रक्षा हेतु की जा रही है। अपर कलेक्टर एवं धान खरीदी के नोडल अधिकारी ने बताया कि लैलूंगा विकासखंड के ग्राम किलकिला में तहसीलदार के नेतृत्व में की गई जांच में भूगदेव पैंकरा के ठिकाने से ओड़िशा का 60 क्विंटल धान पकड़ा गया। वहीं पुसौर विकासखंड में पुलिस विभाग ने दो अलग-अलग मामलों में सुदाम साहू ग्राम भैनातोरा जिला बरगढ़ ओडिशा के पिकअप वाहन में 25.60 क्विंटल धान और आदित्य सागर ग्राम बड़ेहरदी के वाहन में 20 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया।

लक्ष्मी गुप्ता बने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कांग्रेस ने लक्ष्मी गुप्ता को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया है। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया। वर्तमान में लक्ष्मी गुप्ता पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी में सरगुजा जिला के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे है, ये उनका दुसरा कार्यकाल है। इससे पहले लक्ष्मी गुप्ता पिछड़ा वर्ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी में 2 बार प्रदेश महामंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। अगर बात करें सामाजिक दायित्व का तो लक्ष्मी गुप्ता प्रदेश साहू संघ में भी दो बार प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं, साहू समाज के संभाग अध्यक्ष भी रह चुके हैं और बात करें अगर व्यापारिक संगठन की तो सरगुजा संभाग की सबसे बड़ी किसान और व्यापारियों की संस्था किसान मित्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष रह चुके है। वर्तमान में आप किसान मित्र व्यापारी संघ के संरक्षक भी हैं और भारत कृषक समाज के महामंत्री का दायित्व भी निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ कलाकार संस्थान के सरगुजा संभाग के संयोजक की भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। साहू समाज के राष्ट्रीय एवं राजनीति और समाज में एक लंबा अनुभव के साथ अभी तक हर जिम्मेदारी के प्रति समर्पित रही है, उनकी सोच, ईमानदारी एवं समर्पण कांग्रेस संगठन के प्रति, समाज के प्रति, सभी को साथ लेकर चलने की काबिलियत, निष्ठावान एवं सभी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने का हुनर प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी लक्ष्मी गुप्ता ने एक अमिट छाप छोड़ी और आज उसका ही प्रतिफल है कि राहुल गांधी की सोच के अनुरूप जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के तहत लक्ष्मी गुप्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक का नवीन दायित्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद द्वारा दिया गया है, जिससे प्रदेश और जिले में पिछड़ा वर्ग की आवाज बुलंद हो सके और पिछड़ा वर्ग के साथ न्याय हो सके।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग का राष्ट्रीय समन्वयक बनाए जाने पर लक्ष्मी गुप्ता ने कहा- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक का नया दायित्व मिला है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अनिल जय हिंद, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ताम्रध्वज साहू, पूर्व डिप्टी सीएम टी एस सिंह देव, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज एवं पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का हृदय से आभार व्यक्त किया है। लक्ष्मी गुप्ता की नियुक्ति से हर्ष का माहौल व्याप्त है। हम सब मिलकर कांग्रेस एवं पिछड़ा वर्ग की आवाज को बुलंद और स्थापित करने के लिए जी जान से मेहनत करेंगे।

धान उपार्जन समिति में खरीदी व्यवस्था से किसान संतुष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार जिले में धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए बेहद सुगम बनाएं गए हैं। टोकन कटाने से लेकर समिति में धान विक्रय तक किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुहपुटरा धान उपार्जन समिति में धान बेचने पहुंचे कृषक राजेश कुमार राजवाड़े ने खरीदी केंद्र की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उनका कुल रकबा 160 क्विंटल का है और उन्होंने 59 क्विंटल 80 किलो का पहला टोकन कटाया है।

उन्होंने बताया कि टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई, पूरी प्रक्रिया सहज और सरल रही। धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुँचते ही समिति द्वारा धान बिक्री प्रक्रिया पूरी कर बारदाना और सूजा-सुतरी तुरंत उपलब्ध कराई गई, जिससे धान तौल की प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी हुई। कृषक राजवाड़े ने बताया कि समिति केंद्र में धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान हित में संचालित हो रही है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समिति के कर्मचारी व संबंधित अधिकारी सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के शासन में प्रति एकड़ 21 क्विंटल की धान खरीदी और 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल का सर्वाधिक दाम मिलने से किसानों को आर्थिक रूप से लाभ मिल रहा है। जिससे धान विक्रय को लेकर किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। कृषक राजवाड़े बताते हैं कि धान खरीदी की यह व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और आसान है। यहां किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था पर संतुष्टि जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जिले के उपार्जन समितियों में धान खरीदी व्यवस्था की सुविधा से किसानों का मनोबल बढ़ा है और धान खरीद प्रक्रिया रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

सम्पादकीय

नई एफआईआर से संदेश कानून से ऊपर कोई नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले ने एक बार फिर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी। साथ ही संदेश भी दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। गलत काम किया है तो जांच का सामना भी करना पड़ेगा। सजा भी भुगतनी होगी। इस मुद्दे को लेकर सत्तापक्ष हमेशा से ही कांग्रेस के खिलाफ मुखर रहा है। भाजपा शुरू से ही आरोप लगाती रही है कि कांग्रेस नेताओं ने बड़े-बड़े घोटाले किए हैं, देश को बर्बाद कर दिया और हजारों करोड़ का गोलमाल कर देश को पीछे धकेलने का काम किया है। अब ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा नई एफआईआर दर्ज करने से उनके आरोपों को और बल मिला है। इस मामले को लेकर सत्तापक्ष के नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और गांधी-वाड्रा परिवार एक भ्रष्ट परिवार है। वे कानून से ऊपर नहीं हैं। अगर आरोप हैं, तो एजेंसियां उसी हिसाब से अपनी जांच करेंगी। उनका कहना है कि नई एफआईआर दस्तावेजों और सबूतों के गहन अध्ययन के बाद दर्ज की गई है। कार्रवाई किसी भी तरह बदले की भावना से नहीं हुई। अदालत स्वतंत्र और निष्पक्ष है। जब प्राप्त साक्ष्य मिलते हैं, तब एफआईआर के लिए कहा जाता है। एफआईआर में साक्ष्य लगने के बाद कोर्ट उसको स्वीकार करता है। इस एफआईआर में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि कांग्रेस के स्वामित्व वाली संस्था एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का धोखाधड़ी से अधिग्रहण किया गया था। इसकी कुल संपत्ति 2000 करोड़ रुपये थी। कोलकाता की डोटेक्स मर्चेंडाइज ने यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपये दिए, जिसके बाद यंग इंडियन ने कांग्रेस को 50 लाख रुपये चुकाकर एजेएल पर अपना नियंत्रण हासिल कर लिया। यंग इंडियन के माध्यम से यह अधिग्रहण संपन्न हुआ था और गांधी परिवार की इसमें 76 फीसदी हिस्सेदारी थी। ईडी ने 9 अप्रैल, 2025 को सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और डोटेक्स के प्रमोटर के खिलाफ नेशनल हेराल्ड/ एसोसिएटेड जर्नल्स प्राइवेट लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े कथित मनी लान्ड्रिंग मामले में एक चार्जशीट दायर की थी। इसी सिलसिले में यह नई एफआईआर दर्ज हुई है। यह मामला सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में उठाया था। उन्होंने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) का अवैध अधिग्रहण कर लिया। अब दिल्ली पुलिस जल्द ही एजेएल के शेयरधारकों को तलब कर सकती है, ताकि यह पता चले कि क्या इस ट्रांसफर से पहले कांग्रेस ने उनसे अनुमति ली थी। अब इस मामले में आगे क्या होगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस के बड़े नेताओं की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

जनता की उम्मीदें जीतेंगी या राजनीति

संसद का सत्र

डॉ. पवन कुमार शर्मा

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है। इस शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कुल 15 बैठकें होंगी। इस छोटे लेकिन अहम सत्र में सरकार 10 नए बिल पेश करेगी और 2 अहम बिलों को सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मंजूरी के लिए सदन में लाएगी। यह आर्थिक सुधारों, मतदाता सूची की पारदर्शिता, सांस्कृतिक मुद्दों और पर्यावरण नीति के संदर्भ में निर्णायक साबित हो सकता है। संसद का शीतकालीन सत्र अगर रचनात्मक ढंग से चलता है तो देश की नीति एवं दिशा को सकारात्मक गति मिल सकती है, अन्यथा यह अवसर एक बार फिर टैक्सपेयर की गाढ़ी कमाई की बर्बादी ही साबित होगा।

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है। शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कुल 15 बैठकें होंगी। इस छोटे लेकिन अहम सत्र में सरकार 10 नए बिल पेश करेगी और 2 अहम बिलों को सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मंजूरी के लिए सदन में लाएगी। शीतकालीन सत्र में इस बार केंद्र सरकार का फोकस आर्थिक सुधार, निवेश-प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षा सुधार, सुशासन व कानून-व्यवस्था जैसे विषयों पर है।

मानसून सत्र में सेलेक्ट कमेटी के पास भेजे गए दो विधेयकों- जन विश्वास विधेयक 2025 एवं भारत में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) संशोधन विधेयक पर इस सत्र में पुनर्विचार एवं पारित होने की संभावना है। जन विश्वास विधेयक दर्जनों छोटे कंप्लायंस संबंधी अपराधों को डिक्रिमिनलाइज करता है जबकि आईबीसी संशोधन विधेयक में बड़े बदलावों के जरिए कर्जदार-लेनदार के विवादों को तेजी से खत्म करने पर फोकस है। इस विधेयक का उद्देश्य प्रक्रियात्मक अनुशासन को कड़ा करना, जटिल कॉर्पोरेट संरचनाओं के लिए समूह दिवालियापन की रूपरेखा पेश करना और सीमा-पार दिवालियापन के मामलों को संभालना है। इसमें सरकार के बकाया को 'सेक्योर्ड क्रेडिटर' मानने जैसे सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों को बदलने का भी प्रस्ताव है। संसद के विंटर सेशन के दौरान जिन 10 नए विधेयकों के पेश होने की संभावना है उनमें एटॉमिक एनर्जी बिल, 2025 प्रमुख है जो नागरिक परमाणु ऊर्जा सेक्टर में निजी कंपनियों को भागीदारी की अनुमति देने और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का नया नियामक ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव करता है। दूसरा महत्वपूर्ण बिल हायर एजुकेशन कमिशन ऑफ इंडिया बिल 2025 है जो उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, मान्यता, शासन-संरचना आदि सुधारने के लिए एक नया आयोग स्थापित करने का प्रयास करता है। इसी तरह नेशनल हाइवेज संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, भूमि अधिग्रहण, पारदर्शिता और गति को बेहतर बनाने के लिए संशोधन का प्रस्ताव करता है। कॉर्पोरेट लॉज संशोधन विधेयक 2025, कंपनी कानूनों में सुधार व अद्यतन व्यापार-नियमों और कॉर्पोरेट संचालन में बदलाव का प्रस्ताव करता है। सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल 2025, प्रतिभूति बाजार संबंधित कई पुराने कानूनों को एक समेकित कोड में बदलने का प्रस्ताव करता है ताकि विनियमन और निवेश आसान हो सके। इंश्योरेंस लॉज संशोधन विधेयक 2025, बीमा क्षेत्र में सुधार, निवेश-पर्यावरण सुगम बनाने और मार्केट विस्तार के लिए कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव करता है। आर्बिट्रेशन एवं कॉन्सिलिएशन संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता व सुलह प्रक्रियाओं को द्रुत व सरल बनाने हेतु संशोधन का प्रस्ताव करता है। रिपीलिंग एवं संशोधन विधेयक 2025, पुराने, अप्रयुक्त या अव्यवहार्य कानूनों को निरस्त या संशोधित करने से संबंधित है। मणिपुर जीएसटी संशोधन विधेयक 2025, मणिपुर के लिए माल एवं सेवा कर अधिनियम में संशोधन से जुड़ा बिल है जिससे राजस्व व स्थानीय कानून–व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्थाएं सुधारने का प्रस्ताव है। इसके अलावा संविधान विधेयक 2025, संवैधानिक स्तर पर कुछ

प्रावधानों में बदलाव के लिए एक महत्वपूर्ण विधेयक है जो संविधान के प्रावधानों को अद्यतन या संशोधित करने का प्रस्ताव करता है। 18वीं लोक सभा का छठा सत्र देश की राजनीति, कानून और नीति निर्माण के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2025 का यह शीत सत्र कई संवेदनशील मुद्दों और बड़े सुधारों के कारण विशेष रूप से चर्चा में है। दिल्ली एनसीआर में वायु-प्रदूषण एक गंभीर चुनौती बन चुका है। विंटर सेशन में विपक्ष इस मुद्दे को 'स्वास्थ्य आपातकाल' की तरह उठाने का मंसूबा जाहिर कर चुका है। हालांकि यह विषय सत्र के आधिकारिक एजेंडे में नहीं है, फिर भी यह जनता के जीवन-स्तर से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

देश के 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर इस सत्र के दौरान गहमागहमी होने के पूरे आसार हैं। तमाम विपक्षी दल इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और मतदाता बहिष्करण के जोखिम की बातें कई महीनों से उठा रहे हैं, लिहाजा विरोधी दलों की तरफ से इस मुद्दे पर विस्तृत बहस की मांग की जा रही है। 'वन्दे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा को एजेंडे में विशेष रूप से शामिल किया गया है। यह सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान से जुड़ा विषय है लिहाजा इसमें संवेदनशीलता तो है लेकिन इस मुद्दे पर सियासत और राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। सरकार के प्रस्तावित एजेंडा के साथ-साथ, विपक्ष की ओर से कुछ गंभीर चिंताएं व तैयारियां देखी जा रही हैं जो शीतकालीन सत्र को चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक बना सकती हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दल पहले ही तीखी नाराजगी जता चुके हैं। उनका आरोप है कि इसमें राजनीतिक दुरुपयोग हो सकता है। इस तरह की बहसों में राजनीतिक, क्षेत्रीय और धार्मिक मतभेद भी खुलकर सामने आ सकते हैं। आर्थिक सुधारों को लेकर खासकर दिवालियापन व निजी क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विषय पर विपक्ष यह सवाल उठाता रहा है कि इससे रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और छोटे उद्योगों की स्थिति पर क्या असर पड़ेगा। साथ ही, यदि सत्र में पर्याप्त समय नहीं दिया गया या सार्वजनिक बहस सीमित रही तो नीतिगत बदलावों और संवैधानिक संशोधनों पर व्यापक सामाजिक विमर्श नहीं हो सकने का जोखिम भी है। सत्र की छोटी अवधि यानी महज 15 बैठकों में इतने महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत बहस कठिन है। इसमें जल्दबाजी या आधी-अधूरी चर्चा का जोखिम है। यदि प्रक्रियाएं जल्दबाजी में होंगी तो जनता और विशेषज्ञ समूहों की भागीदारी कम हो सकती है, जिससे नीतियों पर भरोसा घटने का खतरा है।

सच्चाई यह भी है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान मतदाता पुनरीक्षण का मामला हावी रहा था और उत्पादकता में भारी कमी आई थी। 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चले मानसून सत्र के दौरान लगभग दो-तिहाई समय व्यवधान की भेंट चढ़ा था। 18वीं लोकसभा में अब तक के सत्रों की यह सबसे कम उत्पादकता है। प्रश्नकाल के दौरान, लोक सभा में निर्धारित समय का केवल 23% तथा राज्य सभा में केवल 6% ही काम हो सका। 18वीं लोक सभा का यह शीतकालीन सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह आर्थिक सुधारों, मतदाता सूची की पारदर्शिता, सांस्कृतिक मुद्दों और पर्यावरण नीति के संदर्भ में निर्णायक साबित हो सकता है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या सरकार और विपक्ष मिलकर लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए संवेदनशील और गंभीर बहस कर पाते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र अगर रचनात्मक ढंग से चलता है तो देश की नीति एवं दिशा को सकारात्मक गति मिल सकती है, अन्यथा यह अवसर एक बार फिर टैक्सपेयर की गाढ़ी कमाई की बर्बादी ही साबित होगा

(लेखक संसद टीवी में कार्यरत हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गीता जयंती विशेष

डॉ. सुशील टाया

गीतामय पंच परिवर्तन

कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः।
लोकसंग्रहमेवापि सम्पश्यन्कर्तुमर्हसि॥

महाभारत के युद्ध में अर्जुन का मन जब विषादों से भर जाता है तब भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि हे अर्जुन, व्यक्ति की महानता पलायन और कर्म से विमुख होने में नहीं, बल्कि निःस्वार्थ भाव से कर्म करते हुए लोकहित में कार्य करने में है। प्रत्येक व्यक्ति कर्तव्य और आचरण से व्यापक सामाजिक परिवर्तन का कारण बन सकता है। व्यक्ति अपने कर्म, अनुशासन व चरित्र से उत्तमता प्राप्त कर सकता है। एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति अपने परिवार को संस्कारित और संगठित बनाता है। इससे समाज संगठित और कर्तव्यनिष्ठ होगा, तो निश्चित तौर पर राष्ट्र शक्तिशाली बनेगा। इससे विश्व कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना को भी बल मिलेगा, जिससे सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्व-बोध व पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है। गीता के तीसरे अध्याय के बीसवें श्लोक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्व-कल्याण के पंच परिवर्तन का सार स्पष्ट रूप से निहित दिखाई देता है। गीतामय पंच परिवर्तन हमें मानवता के कल्याण की ओर ले जाते हैं।

नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः॥

गीता के दूसरे अध्याय का सोलहवां श्लोक हमें बताता है कि सत्य शाश्वत है और असत्य क्षणिक। यही संदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्व-बोध परिवर्तन का आधार बनता है, जो प्रत्येक व्यक्ति में अपनी संस्कृति, इतिहास और पहचान के प्रति आत्मगौरव जगाता है। जब हम अपने सत्य को पहचानते हैं, तभी राष्ट्रनिर्माण की मजबूत नींव रखी जाती है।

आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन ।
सुखं वा यदि वा दुःखं सः योगी परमः मतः ॥

गीता के छठे अध्याय का बत्तीसवां श्लोक हमें बताता है कि सच्चा योग वही है जो अपने अंदर और समाज में समानता का अनुभव करता है। जब व्यक्ति स्वयं को और दूसरे को एक ही दिव्य चेतना का अंश समझने लगता है, तभी भेदभाव मिटते हैं। समाज का प्रत्येक घटक सम्मान का पात्र है और किसी प्रकार का ऊंच-नीच, जात-पात, भेदभाव हमारे राष्ट्रीय चरित्र के विपरीत है। सभी को अपने समान देखना ही वास्तविक समरस समाज का आधार बनता है और यही संदेश गीता से संघ के समरसता-परिवर्तन को दिशा देता है।

अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः।
स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसंकरः॥

गीता के पहले अध्याय के 41वें श्लोक में परिवार को समाज की मूल इकाई माना गया है। जब परिवार में धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्य मजबूत रहते हैं, तो समाज की नींव भी मजबूत होती है। अधर्म के बढ़ने से परिवार और कुल का पतन होता है, जिससे समाज में अस्थिरता आती है। इसलिए कुटुम्ब प्रबोधन का उद्देश्य परिवार को जागरूक और संस्कारित करना है, ताकि प्रत्येक सदस्य अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझे और परिवार से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन आए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दृष्टिकोण में भी परिवार जागरण इसी सिद्धांत पर आधारित है, जो व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात्।
स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः।।

गीता के तीसरे अध्याय के पैंतीसवें श्लोक में हमें अपने स्वधर्म का पालन करने का महत्व बताया गया है। प्रत्येक नागरिक का अपने समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाना सर्वोच्च है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दृष्टिकोण से, यह नागरिक कर्तव्य-जैसे ईमानदारी, अनुशासन, समाज सेवा, राष्ट्रहित में कार्य करना-हमारे जीवन का मूल आधार है। गीता के अनुसार सभी जीव और प्राणी प्रकृति के साथ गहरे संबंध में हैं। तीसरे अध्याय के तेरहवें श्लोक में हमें यह समझने का संदेश देता है कि प्रकृति ही हमारे जीवन का आधार है और उसके संसाधनों का संतुलित उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को समाजिक कर्तव्य मानता है। यह श्लोक हमें यह प्रेरणा देता है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखें, अपव्यय से बचें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करें। गीता में प्रत्येक समास्या का समाधान है। बस जरूरत है कि व्यक्ति निर्माण का कार्य किया जाए। संघ का मूल उद्देश्य भी व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का है। गीता व्यक्ति को सही मार्ग दिखाती है। गीतामय पंच परिवर्तन व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी में विश्व कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना निहित है।

(लेखक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिवत्व की साधना

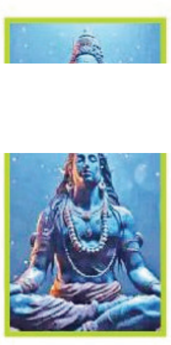

संकलित

दर्शन

हर कर्म का आरंभ संकल्प से होता है। बातों को बनाने, बिगाड़ने व संभालने का आधार भी हमारा सोच रूपी कर्म है। अच्छे या बुरे सोच के कारण हमारे कर्म और कर्मफल सुखदायी व दुखदायी होते हैं। इसलिए कहते हैं, परमात्मा शिव अपनी शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्पों से सोच को परिष्कृत कर दुनिया को परिवर्तित कर देते हैं। उनका प्रत्येक संकल्प मानवता का कल्याण व सद्ज्ञान है, जिसकी वर्षा से प्रकृति में शांति, संतुलन, सद्भावना व प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होता है। मानव जीवन व संसार से विकार, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, पापाचार, दुख, कष्ट व हिंसा के ताप समाप्त होते हैं। परमात्मा के इस सृष्टि परिवर्तन या उद्धार कार्य से कृतज्ञ होकर हम श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करते हैं। शिव की महिमा स्मरण, गायन, पूजन व श्रवण से श्रावण मास शिवमय हो जाता है। कहते हैं, चातुर्मास के आरंभ में भगवान विष्णु जब शयन में चले जाते हैं, तब परमात्मा शिव संसार की बागडोर संभालते हैं। शिव निराकार ज्योति स्वरूप हैं। वे शिव ज्ञान व योग सिखाकर मनुष्यों में सतयुगी दिव्य गुण व दैवी संस्कारों को पुनः विकसित करते हैं। जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब सृष्टि को बचाने एवं भक्तों की शुद्ध भावनाओं और कामनाओं का फल देने हेतु शिव अदृश्य रूप में संसार का कार्यभार संभालते हैं। ज्ञान सूर्य ज्योति स्वरूप शिव अपने ईश्वरीय ज्ञान व शिक्षा के प्रकाश द्वारा मनुष्यों के आसुरी अवगुणों को सद्गुण, दैवी चरित्र व दैवी संस्कारों में बदलते हैं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित

प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला कि स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

अंतर्मन

आज की पाती

अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी

कम करें, पुन: उपयोग करना, रीसायकल करना एक ऐसा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन है, जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य और पर्यावरण के अनुकूल है। अपशिष्ट उत्पाद आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण का कारण बनता है। कम करना, पुन: उपयोग करना और रीसायकल करना भूमि, वायु और जल प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक को खत्म करने के तीन बेहतरीन तरीके हैं। कम करने का मतलब है कि अपशिष्ट की मात्रा कम हो जाती है। अपशिष्ट में कमी का सीधा मतलब है उन चीज़ों को कम करना जिन्हें हम उपयोग करते हैं और केवल वही उपयोग करते हैं जो आवश्यक है। चीज़ों को कम करके हम बहुत सारा पैसा भी बचा सकते हैं। बहरहाल अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी है।

- मोहन देवांगन, भिलाई

करंट अफेयर

आयु सीमा बढ़ने से 37 लाख चीनी ने दी सिविल सेवा परीक्षा

पात्रता आयु सीमा 35 वर्ष से अधिक किए जाने के बाद पहली राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा में रविवार को 37 लाख से अधिक चीनी नागरिक उपस्थित हुए, जिससे देश में बढ़ती बेरोजगारी के दबाव के बीच सरकारी नौकरियों की मांग में वृद्धि का संकेत मिलता है। यह परीक्षा देश की केंद्र सरकार और उसके विभागों में पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करती है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, 37 लाख से ज़्यादा चीनी नागरिक इस परीक्षा में शामिल हुए, जिसका मतलब है कि औसतन लगभग 98 आवेदक एक उपलब्ध पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से लगभग 70 प्रतिशत रिक्तियां नए कॉलेज स्नातकों के लिए आरक्षित हैं। चीन ने इस परीक्षा के लिए पात्रता आयु सीमा को सामान्यत: 38 वर्ष कर दिया है। पात्रता की उम्र सीमा को 35 वर्ष से बढ़ाए जाने को स्वागत योग्य कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नये स्नातक से लेकर मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए आयु सीमा को और कम करके 43 वर्ष कर दिया गया है। यह चीन द्वारा हाल में विदेशी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पेशेवरों के लिए के-वीजा की घोषणा के बाद पहली परीक्षा है।

ऑफ बीट

ठंडे में फंसने पर शरीर के साथ क्या होता है

तापमान में गिरावट के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया को वाहिका संकीर्णन कहा जाता है जो रक्त वाहिकाओं की दीवारों में छोटी मांसपेशियों द्वारा संकुचन है। अगर तापमान शून्य से कम चार डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला जाता है तो वैसोकंस्ट्रिक्शन रक्त में बर्फ के क्रिस्टल बनने से भी रोकता है। जब शरीर के अंदरुनी अंगों का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है तो हाइपोथर्मिया होता है। इसका मतलब है कि शरीर पर्याप्त गर्मी पैदा करने में असमर्थ है। हल्के चरण में शरीर का तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच गिर जाता है। दिल की धड़कन तेज हो जाती है, सांस लेने की दर और रक्तचाप बढ़ जाता है तथा कंपकंपी से मांसपेशियां तनावग्रस्त हो जाती हैं। मध्य चरण में शरीर का तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। इस चरण में शरीर के सभी अंगों के काम करने की गति धीमी हो जाती है और कंपकंपी बंद हो जाती है। गंभीर चरण में शरीर का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला जाता है और शरीर के ज्यादातर अंग काम करना बंद कर देते हैं। इस चरण तक ज्यादातर लोग अचेत हो जाते हैं। दिल और फेफड़ों की स्थिति बिगड़ जाती है।

ट्रेंड

गीता महोत्सव

सऊदी अरब और लातविया में गीता महोत्सव उल्लेखनीय प्रयास हैं, जो प्रवासी भारतीयों तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति उत्साही लोगों के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव को गहरा करते हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ज़हरीली हवा

मैं जिस भी माँ से मिलता हूँ, वह मुझे एक ही बात कहती है कि उसका बच्चा ज़हरीली हवा में सांस लेते हुए बड़ा हो रहा है। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना, कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती?

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

स्वच्छ हवा और हरियाली

भाजपा सरकार पैसे के लालच में लखनऊ के 'हरित-हृदय' जनेश्वर मिश्र पार्क को अपनी इवेंटबाजी से दूर रखे। लखनऊ के नागरिकों का स्वच्छ हवा और हरियाली पर पूरा अधिकार है। हम सबको मिलकर एक नागरिक आंदोलन की तरह इसका पुरज़ोर विरोध करना चाहिए।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

उज्ज्वला योजना

उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन और सिलेंडर दिल्ली की गृहणियों को रसोई के धुएं से राहत देंगे और प्रदूषण को कम करके घरों और वातावरण दोनों को अधिक सुरक्षित बनाएंगे। हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यह योजना हर जरूरतमंद परिवार तक पहुंचे।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

क्रय केंद्र पर आने वाले किसानों का धान खरीदा जाये : योगी

अब तक 1,984 करोड़ सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर, बोले मुख्यमंत्री, भुगतान में देरी बर्दाश्त नहीं

विशेष संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले हर अन्नदाता किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में

- मुख्यमंत्री का निर्देश, क्रय केंद्रों की संख्या 5000 तक बढ़ाई जाएगी, सुविधा गांव-कस्बों तक पहुंचेगी
- धान खरीद में अब तक 1.51 लाख किसानों से 9.02 लाख एमटी की खरीद
- मिड-डे मील व आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश
- खरीद केंद्रों पर मैनपावर बढ़ेगा, धान उठान व मिल-मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

पहुंच जाए। सोमवार को धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की

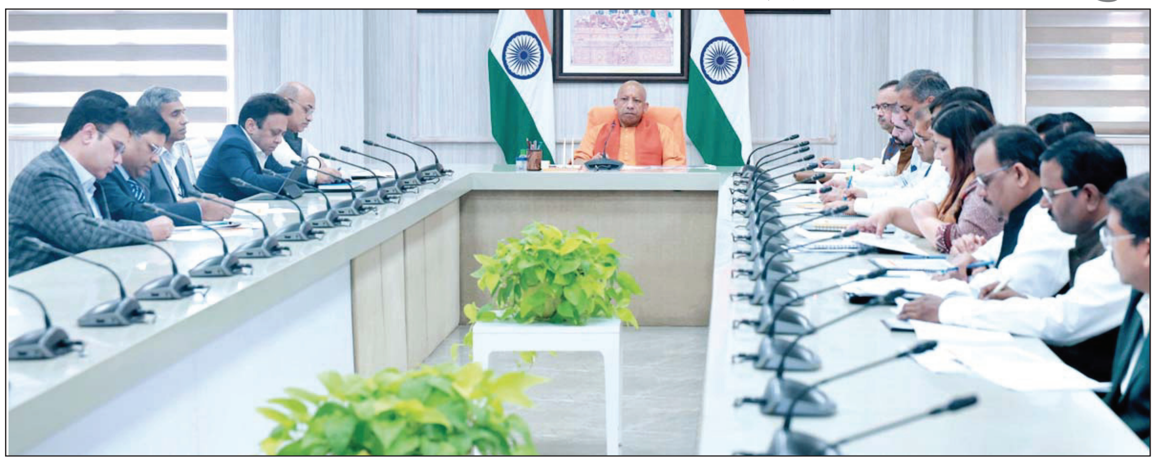

परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 और ग्रेड-अ का 2389 प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में ?69 अधिक है। अब तक 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है। मुख्यमंत्री ने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे। बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में शामिल होंगे योगी आदित्यनाथ

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल होने हेतु 2 दिसंबर को वाराणसी पहुंचेंगे। उत्तर और दक्षिण भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने

- उत्तर-दक्षिण की सांस्कृतिक धरोहर को जोड़ने वाला एक अभिनव सेतु बन रहा तमिल संगमम
- वाराणसी के नमो घाट पर होगा कार्यक्रम का शुभारंभ
- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि सहित अनेक विशिष्ट अतिथि होंगे उपस्थित
- तमिल करकलामह्व (तमिल सीखें) थीम पर आधारित है इस वर्ष का आयोजन

वाला यह महत्त्वपूर्ण आयोजन अब अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को नमो घाट पर होगा।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर. एन. रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल श्री के. कैलाश नाथ सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थिति

दर्ज कराएंगे। ह्लतमिल करकलामह्व यानी ह्लतमिल सीखेंह्व की थीम पर आधारित इस आयोजन में तमिलनाडु से 1400 से अधिक प्रतिनिधि काशी पहुंच रहे हैं। काशी और तमिलनाडु के पारंपरिक कलाकार संयुक्त प्रस्तुति देते हुए भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उद्घाटन समारोह के अलावा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तथा काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन करने भी जा सकते हैं। कन्याकुमारी से रवाना हुआ छात्रों का दल, 2 दिसंबर को पहुंचेगा काशीकाशी तमिल संगमम्में शामिल होने हेतु छात्रों का पहला दल शनिवार सुबह कन्याकुमारी से विशेष ट्रेन द्वारा रवाना हुआ। कन्याकुमारी से 43, तिरुचिरापल्ली से 86 तथा चेन्नई से 87 छात्र इस यात्रा में सम्मिलित हुए हैं। यह दल मंगलवार को काशी पहुंचकर भ्रमण के बाद शाम को नमो घाट पर आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करेगा। तमिल संगमम्- 4.0 के डेलीगेट्स सर्वप्रथम हनुमान घाट पहुंचेंगे, जहाँ वे गंगा स्नान, दक्षिण भारतीय परंपरा से जुड़े मंदिरों में दर्शन-पूजन तथा इतिहास से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे। इसके उपरांत प्रतिनिधि श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे और मां अन्नपूर्णा रसोई में प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद सभी प्रतिनिधियों को बीएचयू ले जाया जाएगा, जहाँ वे एकेडमिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे और विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगे।

कारोबार का और विस्तार करने की जरूरत

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जूते-चप्पल कारोबार का और विस्तार करने की जरूरतः मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत दुनिया में जूते-चप्पल (फुटवियर) का एक प्रमुख निर्यातक है तथा इस क्षेत्र से देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कारोबार का और विस्तार करने की जरूरत है। फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि खेलों के तेजी से विकास और गैर-चमड़ा क्षेत्रों में कारोबार के लिए अपार अवसर मौजूद हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रहा है। मुर्मू ने कहा भारत, दुनिया का एक प्रमुख जूता-चप्पल (फुटवियर) निर्यातक है, लेकिन हमारे निर्यात को और बढ़ावा देने के लिए इस व्यवसाय का और अधिक विस्तार करने की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का जूते-चप्पल (फुटवियर) का निर्यात 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक और आयात 68 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में कहा कि निर्यात, आयात से चार गुना अधिक है और इसमें और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि देश जूते-चप्पल के उत्पादन व खपत में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश इस क्षेत्र में दुनिया में अगुवा बनेगा। मुर्मू ने कहा कि एफडीडीआई और नॉर्थम्पटन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भारत तथा ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत सहयोग को गहरा करने का एक और आयाम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समझौता ज्ञापन टिकाऊसामग्रियों और संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने वाली अर्थव्यवस्था प्रथाओं पर विशेष जोर देता है। इस कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय कारोबार क्षेत्रों के लिए अपार अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जूते-चप्पल उत्पाद विश्वस्तर पर प्रसिद्ध हैं। गोयल ने कहा कि प्राडा जैसे ब्रांड ने भारत की जीआई-टैग वाली कोल्हापुरी चप्पलों को अपनाया है और उन्हें वैश्विक बाजार में ले जाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, भारत विकसित देशों के साथ कई मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है जिससे आपके लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने स्नातकों को नए बाजारों, नवाचार और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव भी दिया। मंत्रालय के तत्वावधान में 1986 में स्थापित एफडीडीआई एक प्रमुख शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थान है जो जूते-चप्पल, चमड़े के सामान आदि क्षेत्रों के विकास व वृद्धि को समर्पित है। देश भर में फैले इसके 12 परिसरों के साथ इसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है। ये परिसर नोएडा, पटना, कोलकाता, सूरत, जोधपुर, गुना, रोहतक, हैदराबाद, छिंदवाड़ा, फुरसतगंज, चंडीगढ़ और चेन्नई में स्थित हैं।

अमित शाह ने बीएसएफ के स्थापना दिवस पर दी बधाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हमेशा राष्ट्र के सम्मान को बरकरार रखा है और दृढ़ संकल्प तथा वीरता के साथ नागरिकों की रक्षा की है। भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले बीएसएफ को उसके स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बीएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने पोस्ट में कहा, बीएसएफ ने हमेशा राष्ट्र के सम्मान को बरकरार रखा है और दृढ़ संकल्प तथा फौलादी इरादों के साथ नागरिकों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने अपने सर्वोच्च बलिदान से देशभक्ति की जो लौ जलाए रखी है, वह देश की भावी पीढ़ियों को रास्ता दिखाते रहेगी। शाह ने कहा, कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर जवानों को सलाम। बीएसएफ अपनी 193 बटालियनों और 2.76 लाख से अधिक कर्मियों के साथ देश के आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों का निर्वहन करने के अलावा पाकिस्तान के साथ 2,279 किलोमीटर लंबी सीमा तथा बांग्लादेश के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा की सुरक्षा और निगरानी करता है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202511031100055

विषयः- अ-2

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सत्तः- 2025-2026

पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [1155/5(0.0280 हे0)

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार श्रीमती असीमा पति दिलराम खलखो,

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांवं प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति असीमा पति दिलराम खलखो जाति उरांव निवासी ग्राम किरिया, तहसील धरमजयगढ़ जिला रायगढ़ (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पत्थलगांव प. ह. नं. 06 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 1155/5, रकबा 0.028 है. (280 वर्गमीटर) का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 17.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 17.12.2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम दीपेन्द्र कुमार हयारण पिता/पति बी०एल० हयारण अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम दीपेन्द्र हयारण पिता/पति बाबू लाल हयारण निवास/पता परियोजना कालोनी सत्तीपारा अम्बिकापुर रख लिया हूँ, अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम दीपेन्द्र हयारण पिता/पति बाबू लाल हयारण से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथकर्ता नामः दीपेन्द्र हयारण
पताः-परियोजना कालोनी सत्तीपारा अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

न्यायालय तहसीलदार शंकरगढ़ जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ-6/2025

ग्राम-महुआडीह प.ह.न.5. तहसील शंकरगढ़

इश्तहार

एदद द्वारा ग्राम पंचायत महुआडीह प.ह.न.5. रा.नि.म.शंकरगढ़ के आम नागरिक को इस इश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदकगण मो० इसराइल अंसारी पिता स्व जान मोहम्मद अन्य 06 निवासी ग्राम महुआडीह तहसील शंकरगढ़ जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ के आवेदनानुसार स्थित भूमि महुआडीह में वाद भूमि कुल खसरा नंबर 164,165,171,267,292,315/1, 317, कुल 07 खसरा जिसका रकबा क्रमशः 0.413,0.283,0.186,0.121,0.105,0.587,0.283 हे० कुल रकबा 1.978 हे० भूमि को आवेदकगण के पिता स्व जान मोहम्मद के द्वारा अनावेदक हरिप्रसाद मंडल पिता झुग्लू मंडल से क्रय किया था क्रेता के मृत्यु पश्चात आवेदकगण स्थित वाद भूमि का नामांतरण हेतु आवेदन सह बी-1 की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया है। जो न्यायालय में विचारधीन है इस नामांतरण करने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपना दावा न्यायालय में उपस्थित होकर दिनांक 05/12/ 2025 तक प्रस्तुत कर सकते है समय सीमा के बाद किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 28/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया है

तहसीलदार शंकरगढ़
जिला बलरामपुर

न्यायालय-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलरामपुर, स्थान रामानुजगंज जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) (पीठासीन अधिकारी हेमंत सराफ)

समंस/नोटिस

(आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 13 (1) हिन्दू विवाह अधिनियम (विवाह विच्छेद हेतु याचिका)

(हेमंत सराफ) प्रधान जिला न्यायाधीश बलरामपुर स्थान रामानुजगंज (छ.ग.)

व्यवहार वाद प्रकरण क्र. 27/2025
प्रोसेस नं.-3020/2025
प्रोसेस दिनांक-19.11.2025
पेशी दिनांक-08.12.2025
पक्षकार : -
शिवकुमार विश्वकर्मा
-: विरूद्ध :-
आवेदक
श्रीमती तारा विश्वकर्मा
अनावेदक
प्रति,

आवेदक शिवकुमार विश्वकर्मा के द्वारा व्यवहार वाद प्रकरण इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उसके पक्ष समर्थन में दस्तावेज भी प्रस्तुत की गयी है।

अतः अनावेदक क्रमांक- 1 श्रीमती तारा विश्वकर्मा पति शिवकुमार विश्वकर्मा पुत्री जमुना विश्वकर्मा आयु लगभग 28 वर्ष पता- केनाबांध, अंबिकापुर तहसील-अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.) वर्तमान पता- सहडोल, अमृत हॉस्पिटल, जिला सहडोल (म.प्र.) को इस समंस के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत इस आवेदन के संबंध में आपको अपना पक्ष रखने हेतु अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना है। उपरोक्त नियत तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण की सुनवाई की जा सकेगी।

यदि उक्त नियत तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या मै अवकाश पर जाता हो तो इस प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर की जाएगी

इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर आज दिनांक 19 से 11.25 को जारी

(हेमंत सराफा)
प्रधान जिला न्यायाधीश बलरामपुर स्थान रामानुजगंज छत्तीसगढ़

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आनंद कुमार पिता बनवारी लाल एवं आनंद जैन पिता बनवारी लाल एक ही व्यक्ति हैं। उक्त व्यक्ति वर्तमान में ह्लआनंद जैनह्व नाम से जाने जाते हैं।

इनकी जन्म-तिथि 02 जनवरी 1973 है।

इस सूचना के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि उपरोक्त दोनों नाम–

आनंद कुमार (पिताः बनवारी लाल) एवं
आनंद जैन (पिताः बनवारी लाल) –
एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं।

अतः किसी भी प्रकार की शंका, भ्रम या विवाद से बचने हेतु यह सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की जा रही है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

इश्तहार

रा०प्र०क्र०-../अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण रचना सिंह पत्नि ओम प्रकाश सिन्हा, रविचन्द्र सिंह आ.स्व. सुखदेव सिंह, जाति क्षत्रिय निवासी डी.सी. रोड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के नाना जगत सिंह आ० बहोरन के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला कंपनी बाजार, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1321/21 रकबा 48 वर्गमीटर भूमि है। उक्त भूमि पर आवेदकगण काबिज कास्त हैं। भूधारक जगत सिंह की मृत्यु दिनांक 23.09.2018 को तथा आवेदकगण की माता अर्थात भूधारक की पुत्री मुन्नी बाई की मृत्यु दिनांक 03.10.2013 को हो गयी है। अतः भूधारक के मृत्यु उपरांत आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) -ईश्तहार

एतद्र द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानस टोप्पो स्वः शुक्ला टोप्पो निवासी अजिरमा थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (दादा) स्व बंधन टोप्पो आ०. संगल टोप्पा में हुई है। ...की दिनांक 04/03/-2022 को स्थान निवास

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृदु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवश तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

आधार कार्ड में पुत्री का नाम एवं जन्म तिथि सुधार के सम्बध में।

शपथ पत्र

मैं बबिता देवी पति छोटु राम उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर 40 नवागढ़ थाना व तह० अम्बिकापुर जिला सरगुज छ०ग० का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करती हूँ किः-

1. मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ, कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। 2 मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरी पुत्री का नाम दुर्गा कुमारी ऊवफ्रअ डवटअफक है तथा जन्म तिथि 03.11.2015 है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है जो सत्य एवं सही हैं 3 मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरे पुत्री का नाम दिव्या ऊकश्अ इलअफळक तथा जन्म तिथि 20.10.2015 अंकित किया गया है जो असत्य हैं 4 मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरी पुत्री का सही नाम दुर्गा कुमारी ऊवफ्रअ डवटअफक तथा जन्म तिथि 03.11.2015 है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं स्कूल के शैक्षणिक प्रमाण पत्र में अंकित है जिसे उसके आधार कार्ड में अंकित किया जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ता
बबिता देवी

बच्चे लौटे स्कूल गाजीपुर में कचरा बीनने वाले बच्चे अब पढ़ने लगे

गाजीपुर जिले के जेल में तैनात पुलिस कांस्टेबल अनिल ने समाज में एक सकारात्मक मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी ड्यूटी के अलावा गरीब और असहाय परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। जेल में तैनात इस कांस्टेबल ने उन बच्चों पर ध्यान दिया जो विद्यालय जाने के बजाय कचरा बीनकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। कांस्टेबल के प्रयासों से अब ये बच्चे प्रतिदिन विद्यालय जाने लगे हैं। गाजीपुर जनपद के देवकली ब्लॉक स्थित मऊपारा प्राथमिक विद्यालय में एक पुलिस कांस्टेबल की पहल ने करीब एक दर्जन बच्चों का जीवन बदल दिया है। पहाड़पुर गांव के ये बच्चे अब कूड़ा बीनने के बजाय नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं। दरअसल, विद्यालय खुलने के समय शिक्षकों ने छात्र संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से इन बच्चों का दाखिला तो कर लिया था, लेकिन उन्हें स्कूल लाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। कुछ समय पहले जेल ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल अनिल को विद्यालय के प्रधानाचार्य के माध्यम से जानकारी मिली कि उनके विद्यालय के सात-आठ बच्चे पढ़ाई छोड़कर कचरा बीनते हैं और उनके परिजन उन पैसों से शराब पीते हैं।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृपा शंकर सोनी आ० रघु साव सोनी निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1792/10 रकबा 0.020 हे0 भूमि में से 817 वर्गफीट भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदक पुष्पा पटेल पति पन्नालाल पटेल निवासी ग्राम लामगांव जिला सरगुजा छ०ग) के पास अंकन राषि रुपए 17,71,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 24/12/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाए गा आज दिनांकः- 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट द्वारा 'यातायात माह नवम्बर 2025' जागरुकता माह का आयोजन किया

समापन कार्यक्रमजिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) शिवरामपुर से किया

चित्रकूट । पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह की अध्यता में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव,कोऑपरेटिव बैंक चित्रकूट/बांदा अध्यक्ष पंकज अग्रवाल,क्षेत्राधिकारी यातायात यामीन अहमद,पीटीओ दीप्ती त्रिपाठी की उपस्थिति में बीना हेलमेट का चालान किये गये चालकों को लॉटरी के माध्यम से 25 हेलमेट वितरण कर यातायात माह का समापन समारोह जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (उम्रएळ) शिवरामपुर में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का संचालन केशव सिंह भोले द्वारा किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा विकास सेवा संस्थान के संस्थापक डॉ0 प्रभाकर सिंह,समाजसेवी/ सभासद शंकर यादव के उत्कृष्ट कार्यो,यातायात जागरूकता कार्यक्रम में सहोयग प्रदान करने पर प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। यातायात माह 2025 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पुरे माह जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद चित्रकूट के थानों एवं यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का प्रचार प्रसार करते हुए आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पंपलेट, हैंडबिल व स्टिकर वितरित किए गए एवं सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग तथा बैनर लगवाए गए, शीत ऋतु में कोहरे में दृश्यता के अभाव होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के निर्मूलन हेतु मालवाहक वाहनों, ट्रैक्टर ट्रालियों में निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए तथा राजमार्गों पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहनों को राजमार्ग के किनारो से हटवाया गया, न मानने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही भी की गई, इसके अतिरिक्त चित्रकूट शहर तथा सार्वजनिक मार्गों स्कूलों एवं सड़कों के किनारे वाहन खड़ा करके जाम का कारण बनने वाले वाहनों को हटवाया गया, चेतावनी दी गई साथ ही उनके विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही भी की गई, तथा यातायात नियमों का अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध निम्नलिखित प्रवर्तन की कार्यवाही किया गया ।

विजय-फातिमा की गुस्ताख इश्क का नहीं चला जादू...

मुंबई। विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की मोहब्बत पर पानी फिरता दिख रहा है। ये बात हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि फिल्म 'गुस्ताख इश्क' शनिवार को भी बॉक्स ऑफिस पर बेदम साबित हुई। फिल्म जब रिलीज हुई, तो क्रिटिक्स ने इसकी कहानी और एक्टिंग की तारीफ की। हालांकि, इसका कमाई पर कोई असर नहीं दिख रहा है। फिल्म 'गुस्ताख इश्क' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 50 लाख रुपए कमाए थे। 'गुस्ताख इश्क' के कुल कलेक्शन की बात करें, तो इसने दो दिनों में अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 74 लाख रुपए कमाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।

लाइफ Style

कीर्ति

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। 'दसारा' और 'बेबी जॉन' की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है।

एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही मिलती है नींद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, 'सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7:30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6:30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5:30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6:30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है। केरल में पैदा हुईं 33 साल की कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, 'अब, मुझे रात 11:30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है।' कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, 'हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं।

हॉलीवुड मसाला

नाटकों ने दिलाई टॉम को पहचान

लॉस एंजिल्स। ब्रिटेन के सबसे प्रसिद्ध स्क्रीन राइटर में से एक टॉम स्टॉपर्ड का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके जाने से हॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर छा गई है। साल 1937 में चेकोस्लोवाकिया में जन्में टॉम स्टॉपर्ड का बचपन मुश्किलों में गुजरा। नाजी हमले के बाद उनका परिवार सिंगापुर चला गया। उन्होंने कई नाटक ऐसे, लिखे जिसने उन्हें काफी पहचान दिलाई। टॉम स्टॉपर्ड ने अपने कॅरियर में कई शानदार नाटक लिखे थे।

सधी हुई कहानी और परफेक्ट कॉमेडी से फिल्म बनी रोमांचक

मुंबई। हॉलीवुड की फिल्म हो और वो भी एनिमेटेड.. फिर तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप इसे देखकर निराश हों। 'जूटोपिया 2' भी कुछ ऐसी ही फिल्म है। पहले सीन से लेकर आखिरी सीन तक कहानी आपको बांधे रखती है और इसके वन लाइनर्स हंसा-हंसाकर आपका पेट दर्द कर देते हैं। वहीं मेकर्स ने लीड किरदार में श्रद्धा कपूर की आवाज जोड़कर इसमें चार चांद लगा दिए। फिल्म की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है। जूडी हॉप्स और निक वाइल्ड जूटोपिया पुलिस डिपार्टमेंट में पार्टनर हैं पर दोनों के बीच बॉन्डिंग अच्छी नहीं है। एक केस में दोनों से गलती होने के बाद चीफ बोगो उन्हें अलग हो जाने या फिर थैरेपी सेशन अटैंड करने की सलाह देते हैं। जूडी को लगता है कि जूटोपिया में कोई सांप घुस आया है पर उसकी बात पर कोई यकीन नहीं करता। वो निक को मनाकर तहकीकात में लग जाती है।

पैपराजी से कोई नाता नहीं: जया बच्चन

मुंबई। वेटरेन एक्ट्रेस जया बच्चन अक्सर पैपराजी पर भड़कती रहती हैं। अब एक बार फिर अभिनेत्री ने पैपराजी की भूमिका और पेशेवर रवैये पर शंकाएं जताई हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रशिक्षित पत्रकारों के प्रति अपने सम्मान और मशहूर हस्तियों के समारोहों में पैपराजी को लेकर खुद के असहज होने के बारे में भी बात की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है। वायरल वीडियो में एक इवेंट के दौरान जया बच्चन ने पैपराजी को लेकर बात की। इवेंट के दौरान जया बच्चन ने कहा कि मैं मीडिया की उपज हूं, लेकिन पैपराजी से मेरा कोई नाता नहीं है। ये लोग कौन हैं? क्या इन्हें इस देश के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है? आप इन्हें मीडिया कहते हैं? मैं मीडिया से आती हूं। मेरे पिता एक पत्रकार थे।

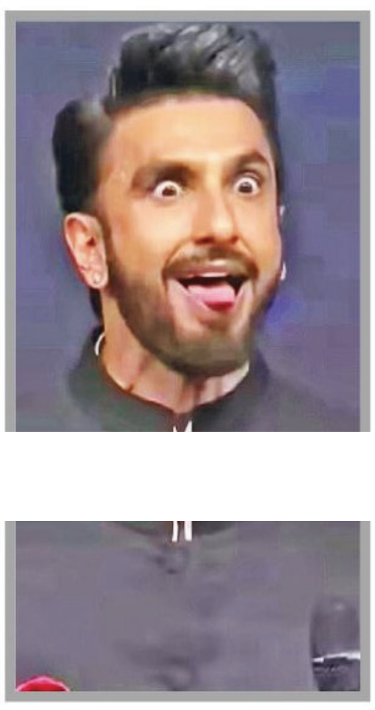

'कांतारा' में दिखाई गई देवी को कहा भूत

मुंबई। 'धुरंधर' एक्टर रणवीर सिंह बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगा है और यूजर्स भी भड़के हुए हैं। दरअसल, रणवीर ने ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा: चैप्टर वन' का मजाक उड़ाया। साथ ही फिल्म में दिखाई गई देवी को भूत कह दिया। इससे लोग बुरी तरह भड़क गए हैं और उनका कहना है कि अब तो 'धुरंधर' बिल्कुल फ्लॉप समझो। मामला हाल ही गोवा में हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का है, जिसमें रणवीर सिंह शामिल हुए थे। ऋषभ शेट्टी भी इस फेस्टिवल का हिस्सा थे। इसका एक वीडियो भी आया है, जिसमें रणवीर सिंह स्टेज पर हैं, और सामने बैठे ऋषभ शेट्टी से कह रहे हैं, 'मैंने थिएटर में 'कांतारा: चैप्टर वन' देखी, और ऋषभ यह एक बेहतरीन परफॉर्मेंस थी।

टीवी मसाला

वीकएंड का वार में धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए सलमान

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का बीते दिनों निधन हो गया था। इस खबर ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। बिग बॉस 19 के हालिया वीकएंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने दिवंगत अभिनेता को याद किया और वो भावुक हो गए। इसके साथ ही उन्होंने इस घटना को देश के लिए सबसे बड़ा नुकसान बताया। बिग बॉस 19 शो के होस्ट सलमान खान ने धर्मेंद्र को याद किया। उन्होंने कहा- 'देश और उनके सभी प्रशंसकों को बहुत ही बड़ा झटका लगा है। इस घटना से इंडस्ट्री को बड़ा सदमा पहुंचा है। मुझे लगता है कि आप लोग समझ रहे हैं कि मैं किनकी बात कर रहा हूं। अभिनेता ने आगे कहा, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। काश इस हफ्ते वीकएंड का वार मैं नहीं कर रहा होता, लेकिन जिंदगी हमेशा चलती रहती है।' शनिवार को प्रसारित हुए बिग बॉस 19 के वीकएंड का वार में कंटेस्टेंट अशनूर कौर को शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया। उन्हें सलमान खान ने तान्या मित्तल पर वार करने के लिए खूब डांट लगाई। अशनूर के एविक्शन पर कुछ नेटिजंस इसे गलत फैसला बता रहे हैं, तो कुछ इसे सही कह रहे हैं। बिग बॉस 19 से अशनूर कौर बेघर हो चुकी हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के अनुसार शहबाज बदेशा का भी एविक्शन हो चुका है। इस हिसाब से शो में अब छह प्रतियोगी बचे हैं, जिसमें गौरव खन्ना फाइनल में पहुंच चुके हैं, क्योंकि उन्होंने टिकट टू फिनाले टास्क जीतकर खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। अब फरहाना भट्ट, अमाल मलिक, तान्या मित्तल, प्रणीत मोरे और मालती चाहर के बीच फिनाले में पहुंचने की टक्कर है।

जन्नत के पीछे पड़े अभिषेक और समर्थ

नई दिल्ली। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' में इस हफ्ते अराजकता चरम पर पहुंच गई जब किचन में अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल और जन्नत जुबैर के साथ एक बिल्कुल नया ट्राइएंगल बनने लगा।

अपनी चंचल नोक-झोंक और लगातार एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे अभिषेक और समर्थ नए मिशन पर पहुंच गए- जन्नत का ध्यान अट्रैक्ट करना। मजेदार चुटकुले सुनाने से लेकर उन्हें इम्प्रेस करने के लिए छोटे-छोटे प्यारे स्टंट करने तक, दोनों लड़के एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए बेताब दिख रहे थे। आग में घी डालने का काम अली गोनी ने किया, जिन्होंने इस जोड़ी को खूब छेड़ा। उन्होंने उन्हें छोटू कहकर मशहूर कर दिया और उन्हें किचन में अपने साइडकिक्स भी कहा। उनके इस कमेंट ने न सिर्फ स्टूडियो को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया।

प्रियंका ने निक-मालती और परिवार संग मनाया थैंक्सगिविंग डे

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अक्सर सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पति, बेटी और परिवार के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। एक्ट्रेस ने वीकएंड पर परिवार संग बिताए कुछ खुशनुमा पलों को शेयर किया है। इन तस्वीरों को अभिनेत्री ने कैलिफोर्निया से साझा करते हुए नोट भी लिखा है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की, जिनमें वो कैलिफोर्निया के किसी पार्क में गुनगुनी धूप में पति निक जोनस और बेटी मालती संग एंजाय कर रही हैं। एक तस्वीर में तीनों पार्क में लेटे हुए प्यारा पोज दे रहे हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में निक और प्रियंका बेटी संग खेलते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा अन्य तस्वीरों में अभिनेत्री अपनी मां मधु चोपड़ा और परिवार के अन्य सदस्यों और दोस्तों संग भी नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने परिवार के साथ डिनकर करते हुए भी एक तस्वीर साझा की है। अभिनेत्री ने परिवार के साथ थैंक्सगिविंग डे मनाया।

इस पोस्ट को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'थोड़े समय के लिए घर वापस आ गई हूं। कभी-कभी मैं खुद को अपने तरफ से प्रेम पाकर धन्यवाद महसूस करती हूं। इस थैंक्स गिविंग डे पर मैं स्वास्थ्य, आनंद, एकजुटता और जीवन के उन साधारण सुखों के लिए बहुत आभारी हूं, जिन्हें हम कभी-कभी हल्के में ले लेते हैं। मैं अपने परिवार, दोस्तों, टीम और उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने इस रोमांचक सफर को आसान बना दिया है।' आगे उन्होंने कहा, 'इतना लंबा समय घर से दूर बिताने के बाद, मैं बस खुद को याद दिला रही हूं कि जिंदगी की सबसे अच्छी चीजों में से एक है अपने प्रियजनों के बीच रहना। थैंक्सगिविंग मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं।'

रेड लाइट एरिया में जन्मी इस एक्ट्रेस पर बनी भारत की सबसे महंगी सीरीज...

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में पाकिस्तान की कई अदाकाराओं ने काम किया है और यह सिलसिला आज भी जारी है। पाक सिनेमा की कई कहानियां भी हिंदी सिनेमा में देखने को मिली हैं। बात करेंगे उस पाक अभिनेत्री की, जिस पर बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की पहले सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार बेस्ड बताई जाती है। इस पाक हसीना ने तकरीबन 100 फिल्मों में काम किया। यह एक्ट्रेस असल में एक तवायफ थी और लाहौर के रेड लाइट एरिया पर काम करती थी। इसी की कहानी को देश की सबसे महंगी सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में दिखाया गया था।

कौन थी ये पाक हसीना? : बात हो रही है नरगिस बेगम उर्फ निग्गो की, जो अपनी मां के नक्शेकदम पर चल एक तवायफ बनी थीं। वह हीरामंडी में सजने वाली महफिल में मुजरा किया करती थीं। उन्हें देखने के लिए पैसों वालों की भीड़ लगती थी। वहीं, 40 के दशक में राजशाही खत्म होने के दौर पर थी और इस वक्त सिनेमा की अच्छी शुरुआत हो रही थी। यह वो दौर था जब महिलाएं सिनेमा में काम करने से कतराती थीं। जब फिल्ममेकर को फिल्म के लिए हीरोइन की जरूरत होती थी, तो वह कोठे का रुख किया करते थे। वहीं, हीरामंडी में महफिल सजाए बैठीं निग्गों पर एक प्रोड्यूसर की नजर पड़ी। निग्गो एक क्लासिकल डांसर भी थी। ऐसे में प्रोड्यूसर निग्गो से इंप्रेस हुआ और कुछ ही समय बाद उन्हें फिल्म का ऑफर दे दिया।

प्रोड्यूसर से रचाई शादी : निग्गो भी इस हीरामंडी के जंजाल से निकलना चाहती थीं और उन्होंने इस ऑफर को स्वीकार कर लिया। फिर साल 1964 में नरगिस ने पाकिस्तानी फिल्म इशरत से एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने शहंशाह-ए-जहांगीर (1968), नई लैला नया मजनू (1969), अंदालिब (1969), लव इन जंगल (1970), अफसाना (1970), मोहब्बत (1972) समेत 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। इस दौरान उन्हें प्रोड्यूसर ख्वाजा महजर की फिल्म कासू में देखा गया, जहां दोनों में प्यार हो गया। ख्वाजा और नरगिस ने निकाह कर लिया।

पति ने ही कर दिया मर्डर : बात काफी आगे बढ़ गई और तवायफों से शादी के नए नियम बन गए। वहीं, कोठे बंद होने की कगार पर थे निग्गों अपनी मां का ख्याल रखने उनके पास चली गईं। जब वह बार-बार पति के बुलाने पर भी नहीं लौटी तो 5 जनवरी 1972 को हीरामंडी जाकर ख्वाजा ने एक बार फिर निग्गो से घर चलने की विनती की, लेकिन वह नहीं मानी। इसके बाद ख्वाजा ने जेब से बंदूक निकाली और निग्गों को छलनी कर दिया।

पुरुषवादी सिनेमा के दौर में महिलाओं के नजरिए से बनी थी फिल्म

अर्थ ने दिखाया था समाज को आईना, 43 साल बाद भी बनी हुई है मस्ट वॉच

***मुंबई।** शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, और कुलभूषण खरबंदा अभिनीत 'अर्थ'फिल्ममेकर महेश भट्ट की सेमी-आटोबायोग्राफिकल फिल्म थी। यह अभिनेत्री परवीन बाबी के साथ उनके विवाहेतर संबंधों पर आधारित थी। पुरुषवादी सिनेमा के दौर में महिलाओं के नजरिए से बनी थी 'अर्थ'। 43 साल पहले तीन दिसंबर, 1982 को प्रदर्शित हुई फिल्म 'अर्थ' में एक दृश्य है जब फिल्म स्टार कविता (स्मिता पाटिल), पूजा (शबाना आजमी) से कहती है कि मैं इंदर (कुलभूषण खरबंदा) को चाहती थी तुम्हारे पति को नहीं। मैं अपना घर बसाना चाहती थी, तुम्हारा घर उजाड़ना नहीं चाहती थी। जिस पर पूजा जवाब देती है कि मेरा घर था ही नहीं इसलिए तुमने कुछ नहीं उजाड़ा।*

अर्थ की कहानी

फिल्म ने उस कड़वी सच्चाई को दिखाया था कि विवाहेतर संबंध शुरुआत में लुभावने लग सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे यह रिश्ता आगे बढ़ता है, असुरक्षा की भावना, सामाजिक मान्यता पाने की चाहत, बिगड़ती मानसिक हालत कहीं न कहीं तनाव बढ़ाते हैं। फिर यह रिश्ता सिर्फ दर्द ही देता है। वास्तव में यह फिल्म पूजा की अपनी पहचान तलाशने की यात्रा पर है, जब उसका पति उसे दूसरी महिला के लिए छोड़ देता है। यह फिल्म उस वक्त आई थी, जब डिस्को डांसर और मर्द जैसी फिल्मों की कहानी पुरुषों के नजरिए से दिखाई जा रही थी, लेकिन अर्थ की कहानी महिलाओं के नजरिए से कही गई थी। यह भले ही मार्केट के ढांचे में फिट न बैठती हो, लेकिन दर्शकों को पसंद आई थी। यह कोई राज नहीं है कि लेखक-निर्देशक महेश भट्ट ने अपनी जिंदगी की कुछ वास्तविकताओं को काल्पनिकता के साथ जोड़कर अर्थ बनाई थी। इसमें त्यागी गई पत्नी पूजा, मनचाही औरत कविता और टूटे हुए आदमी इंदर जैसे पात्रों के जरिए इंसानों की कमियों, पुरुषों के दोहरे मापदंड और रिश्तों की अस्थिरता की पड़ताल बारीकी से की गई थी। यह फिल्म महेश और उस समय शीर्ष पर रहीं अभिनेत्री परवीन बाबी के साथ उनके विवाहेतर संबंधों पर आधारित आत्मकथात्मक फिल्म थी। इन संबंधों के चलते महेश द्वारा पहली पत्नी किरण भट्ट उर्फ लोरेन ब्राइट को छोड़ने की आत्मग्लानि इस कहानी का आधार थी।

महेश भट्ट की क्रांतिकारी फिल्म

हिंदी फिल्मों में महिलाओं के चित्रण के संदर्भ में इसे क्रांतिकारी फिल्म माना जाता है। अर्थ को बनाने के पीछे की कहानी दिलचस्प है। अर्थ से पहले महेश भट्ट ने चार फिल्में मंजिलें और भी हैं(1974), विश्वासघात (1977), नया दौर (1978) और लहू के दो रंग (1979) बनाईं, लेकिन वह बाक्स आफिस पर अपना प्रभाव छोड़ पाने में नाकाम रहीं। तब उन्हें अपनी उथल-पुथल भरी निजी जिंदगी को परदे पर उतारने का विचार आया। यहीं से अर्थ को बनाने की शुरुआत हुई। फिल्म में कई दृश्य महेश की जिंदगी से जुड़े भी रहे। उदाहरण के तौर पर जब पूजा को पता चलता है कि इंदर उसे कविता के लिए छोड़ना चाहता है, तो वह उससे आग्रह करती है कि वह उसे न छोड़े। साथ ही, वह सीन जब सोए हुए इंदर को कविता जगाने की कोशिश करती है तो वह पूजा का नाम लेता है। किस्सा यह भी है कि जब यह फिल्म बन रही थी तब स्मिता पाटिल और राज बब्बर असल जिंदगी में रिश्ते में थे। राज बब्बर शादीशुदा थे।

मैसेज देती है अर्थ

फिल्म के अंत में कविता की असुरक्षा और मानसिक रूप से अस्थिर प्रकृति अंततः इंदर को उससे दूर कर देती है। इंदर पश्चाताप के साथ पूजा के पास वापस आता है, लेकिन पूजा उसे अस्वीकार कर देती है, क्योंकि तब तक वह मजबूत और आत्मनिर्भर बन चुकी होती है और उसे एहसास होता है कि अपनी खुशी के लिए उसे किसी पुरुष की जरूरत नहीं है। रिश्तों के जटिल पहलुओं को गहराई से छूने वाली इस फिल्म में परत दर परत महिलाओं के जज्बातों को बहुत बारीकी से दर्शाया गया। रिश्तों के भंवर में जिंदगी का अर्थ खोजती यह फिल्म आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी उस वक्त थी!

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना एक सामाजिक कर्तव्य : प्रशांत

0 सुगम सफर अभियान के तहत प्रेमनगर थाना परिसर में हुआ कार्यक्रम आयोजित
0 यातायात नियमों एवं साइबर अपराध के प्रति जागरूकता हेतु पंचायत स्तर पर बनी सहमति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा इसलिए जरूरी है क्योंकि अधिकांश दुर्घटनाएँ टाली जा सकती हैं, यह परिवारों को असहनीय दुख की पीड़ा से बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नियमों का पालन न करने और लापरवाही के कारण कई लोग घायल होते हैं और कई लोगों की जान चली जाती है। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना एक सामाजिक कर्तव्य है, जो जीवन को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दुर्घटनाओं से भी बचाता है। आज के दौर में यातायात नियमों को सख्ती से अपनाना अपनी व दूसरों की सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। उक्त बाते सोमवार को जिले के प्रेमनगर थाना परिसर में आयोजित सुगम सफर अभियान के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को रोका जा सकता है। कई दुर्घटनाएँ लापरवाही, तेज गति और नशे में गाड़ी चलाने के कारण होती हैं। इसलिए सड़क सुरक्षा, नियमों शिक्षा जीवित रहने के किसी भी अन्य बुनियादी कौशल की तरह ही आवश्यक है। सुरक्षा नियमों का पालन करके सड़क हादसों को रोका जा सकता है, यह सभी के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी है। श्री ठाकुर ने कहा कि हमारा उद्देश्य वर्तमान और भावी सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सुरक्षित सड़क उपयोग व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए सड़क सुरक्षा जानकारी प्रदान करना है ताकि सड़क हादसों में मृत्यु दर एवं घायल लोगों की संख्या कम हो सके। उन्होंने सड़क दुर्घटना को रोकने की दिशा में सुझाव भी आमंत्रित किए। एसएसपी ने इस दौरान साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि साइबर अपराध के झांसे में न जाए, किसी भी स्थिति में ओटीपी किसी दूसरे व्यक्ति को न बताए, संदिग्ध लिंक में क्लीक न करें। साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहकर ही सुरक्षित रहा जा सकता है। आयोजन के बाद गांव के जनप्रतिनिधियों तथा ग्राम सचिव व कोटवारों के द्वारा पंचायत स्तर पर यातायात नियमों एवं साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के आयोजन करने की रणनीति पर सहमति बनी है। इनका प्रयास रहेगा कि गांव के सभी लोगों तक यह यातायात नियमों, साइबर अपराध से बचाव एवं नशा मुक्ति के लिए जागरूकता का संदेश पहुंचे और सड़क दुर्घटना, साइबर ठगी को रोका जा सके। इस कार्यक्रम में एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, थाना प्रभारी विराट बिशी, जनपद अध्यक्ष तुलेश्वर सिरदार, नपं अध्यक्ष सुखमनिया जगते, जिपं सदस्य नयन विजय सिरदार, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रभु श्याम, विरेन्द्र जायसवाल, तुलसी यादव, महेन्द्र यादव, विजय सिदार, मिथला बंजारा, 20 से अधिक गांव के सरपंच, सचिव, स्कूली बच्चे, जनप्रतिनिधिगण व नागरिकगण मौजूद रहे।

धान के अवैध परिवहन पर रखें कड़ी नजर : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आहूत की गई। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, समय सीमा के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की तथा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त मांग एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें।

कलेक्टर ने धान खरीदी की प्रगति और व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। जिले में समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी के विषय पर उन्होंने खाद्य, सहकारिता व मार्कफेड से क्रमवार उद्यतन की जानकारी ली। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को उनके केंद्रों का निरीक्षण करने, कटे हुए टोकन की जानकारी लेने तथा स्टेकिंग आदि के संबंध में अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश दिये। उन्होने सभी चेक पोस्ट पर ड्यूटीरत अधिकारियों को अवैध धान के आवक और अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होने चेकिंग व्यवस्था सुदृढ़ व पारदर्शिता बनाने की बात कही। उन्होने स्पष्ट किया कि अवैध परिवहन करते पाये जाने वाले वाहन पर संबंधित तत्काल कार्यवाही करें, वाहन को सीज कर

प्रकरण दर्ज करें और वाहन को थाने में सुपूर्द कर मंडी नियम के तहत अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होने खरीदी केंद्रों में धान की नमी जांच, तौल उपकरण, मिलान पर्ची व्यवस्था, ऑनलाइन एंट्री और तौल प्रक्रिया पारर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने आगामी अर्धवार्षिक परीक्षाओं के संबंध में जानकारी ली। जिस पर शिक्षा विभाग के संबंधित द्वारा बताया गया कि 12 से 20 दिसंबर तक अर्धवार्षिक परीक्षा हेतु तिथि का निर्धारण किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को पारदर्शिता के साथ परीक्षा का आयोजन कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम आये इसके लिए तय सिलेबस का बार-बार रिवीजन कराने की बात कही। इसके साथ ही कलेक्टर ने आपार आईडी के संबंध में अद्यतन जानकारी ली गई। बैठक में पीएम सूर्य घर, उज्ज्वला योजना, वय वंदन व आयुष्मान योजना के प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, सर्व एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गोंगपा ने सपहा में शुरू किया अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत सपहा में सोमवार से गोंगपा ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। पार्टी ने क्षेत्र में पदस्थ हल्का नंबर 9 के पटवारी सहित दो पटवारी और तहसील के एक लिपिक को हटाने की मांग की है। गोंगपा का आरोप है कि इन अधिकारियों की मनमानी, लापरवाही और पक्षपातपूर्ण कार्यशैली के कारण ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि राजस्व कार्यों में अनावश्यक देरी, फाइलों को बिना कारण लंबित रखना, ग्रामीणों से अभद्र व्यवहार, तथा समस्याओं के समाधान में रुचि न लेना लगातार आम बात हो गई है। खासकर हल्का नंबर 9 के पटवारी पर ग्रामीणों ने मनमानी का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पटवारी की कार्यशैली से क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है, जिससे गांव के सामान्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इन शिकायतों को लेकर गोंगपा ने बीते दिनों सूरजपुर कलेक्टर के नाम तहसीलदार चांदनी बिहारपुर को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में पार्टी ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि तीनों अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, तो पार्टी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। प्रशासनिक स्तर पर कोई कदम नहीं उठाए जाने पर पार्टी ने सोमवार सुबह से ग्राम पंचायत सपहा कार्यालय परिसर में धरना और हड़ताल शुरू कर दी।

हड़ताल स्थल पर गोंगपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या देखी जा रही है। ग्रामीण भी पार्टी के समर्थन में पहुंच रहे हैं और उनका कहना है कि राजस्व विभाग की अनियमितताओं से वे महीनों से परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नाप-जोख, नामांतरण, बंटवारा और खसरा-खतौनी जैसी बुनियादी सेवाएं पटवारी की मनमानी के कारण समय पर नहीं हो रही हैं, जिससे लोगों को आर्थिक और व्यक्तिगत नुकसान झेलना पड़ रहा है। गोंगपा पदाधिकारियों ने कहा है कि जब तक हल्का नंबर 9 के पटवारी सहित तीनों कर्मचारियों को चांदनी बिहारपुर क्षेत्र से नहीं हटाया जाता, तब तक उनका, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन तत्परता नहीं दिखाता तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। उनका कहना है कि यह संघर्ष केवल पार्टी का आंदोलन नहीं बल्कि ग्रामीणों की न्यायिक मांगों की आवाज है। उधर प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है। पुलिस बल भी हड़ताल स्थल पर तैनात किया गया है ताकि माहौल शांतिपूर्ण बना रहे।

मंत्री लक्ष्मी ने शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शिवप्रसादनगर स्थित धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्था, किसानों को दी जा रही सुविधाओं, मापक यंत्रों, तौल व्यवस्था तथा धान उपार्जन की संपूर्ण प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र में पहुंचे किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। किसानों ने उन्हें बताया कि धान खरीदी प्रक्रिया सुव्यवस्थित रूप से चल रही है और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। उन्होंने किसानों से समर्थन मूल्य, तुलाई की गति, बारदाने की उपलब्धता तथा परिवहन व्यवस्था को लेकर भी फीडबैक लिया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े कहा कि राज्य सरकार किसानों से समय पर और पारदर्शी तरीके से धान खरीदी के लिए कृतसंकल्पित है। किसानों की मेहनत और उत्पादन का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि केंद्र में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, कृषकगण और ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पढ़ाई के साथ खेलकूद भी आवश्यक : डीईओ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर में संचालित कार्मेल कांवेंट स्कूल में शनिवार 29 नवंबर को एकदिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा उपस्थित थे। इस दौरान विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि की उपस्थिति में प्रतियोगिता आरंभ कराई।विद्यालय के विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों द्वारा निकाले गए मार्च पास्ट की मुख्य अतिथि ने सलामी ली। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ खेलकूद व मनोरंजन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन मन के लिए खेलकूद जरूरी है। आज के युवा पढ़ाई के अलावे खेलकूद के जरिए अपना कैरियर बना रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में अनुशासन को सर्वोपरि बता कहा कि यदि भविष्य में कुछ बनना है, तो हमें अनुशासन का पालन करना होगा और इसके लिए विद्यार्थी जीवन से ही इसका अभ्यास व्यक्ति को करना चाहिए।उन्होंने वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी।विद्यालय प्राचार्य सिस्टर मार्लिन ने सभी प्रतिभागियों को खेल को खेल भावना से खेलने प्रोत्साहित कर उत्साहवर्धन किया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दौड़, लंबी कूद, रिले रेस सहित अन्य खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पदक और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।आयोजन को सफल बनाने विद्यालय प्राचार्य के अतिरिक्त स्कूल मैनेजर सिस्टर डायना खेल शिक्षक एसडी शर्मा सहित विद्यालय के सभी शिक्षक, स्टॉफ सक्रिय रहकर आयोजन संपन्न कराया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 03 दिसम्बर को नगर पालिका परिषद कार्यालय के समीपस्थ स्थित रंगमंच सूरजपुर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े होंगी, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य व जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल द्वारा की जायेगी। कार्यक्रम में छ.ग. राज्य वन विकास निगम अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा, सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणि पैकरा, जिले के गणमान्य नागरिक इत्यादि अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे।

रोका गया 16 वर्षीय बालक का बाल विवाह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बाल विवाह मुक्त करने के जिला प्रशासन के संकल्प को पूरा करने प्रशासनिक तंत्र कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के नेतृत्व में पुरी तरह तैयार है। टोल फ्री न. 1098 पर सूचना प्राप्त हुई कि प्रतापपुर के धरमपुर में एक 16 वर्षीय बालक का बाल विवाह सम्पन्न हो रहा है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल को जानकारी प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल को बताया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी तत्काल जांच एवं सही पाने पर रोक के लिए मौके पर संयुक्त टीम के साथ रवाना हुई। मौका जांच करने पर पता चला कि बालक के शैक्षणिक दस्तावेजों, जन्म प्रमाण पत्र में बालक 2009 का है जबकि आधार कार्ड में बालक 2006 का पाया गया। बालक का विवाह एक 19 वर्षीय बालिका से तय किया गया है। विवाह एक शादी घर में सरगुजा के अम्बिकापुर में सम्पन्न होने वाला है। मोबाइल से बालिका पक्ष के लोगो को समझाइश दी गई कि बालक का उम्र शादी योग्य नहीं हुआ है अर्थात मात्र 16 वर्ष का है यदि विवाह संपन्न होता है तो बालिका के ऊपर भी कानूनी कार्यवाही हो सकती है साथ ही बालिका के अभिभावकों के ऊपर भी अपराध दर्ज हो सकता है, जिस पर लड़की पक्ष वालों ने भी विवाह नहीं करने की सहमति दी। शादी घर वालो को जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने

बताया कि बिना बालक एवं बालिका के उम्र के जानकारी के आप अपना शादी घर बुक ना करे अन्यथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम अंतर्गत आप पर भी कार्यवाही हो सकती है। शादी घर वाले तत्काल विवाह नहीं करने और भविष्य में ऐसी त्रुटि नहीं होने का आश्वासन दिये। परिजनों को समझाइश दी गई तब वे बालक के 21 वर्ष पूर्ण होने पर शादी करने को सहमत हुए। उपस्थित सभी के समक्ष दस्तावेजों का सत्यापन पश्चात पंचनामा तैयार किया गया। बाल विवाह रोकने वालों में मनोज जायसवाल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती संतोषी सिंह, जिला बाल संरक्षण इकाई से जैनेन्द्र दुबे, परामर्शदाता श्रीमती अंजनी साहू, सामाजिक कार्यकर्त्ता, चौकी प्रभारी रघुवंष सिंह, पर्यवेक्षक श्रीमती संतोषी टंडन, सचिव श्री बाबूनाथ तिर्की, श्रीमती कृष्णा जायसवाल उपस्थित थे।

सूरजपुर में 192 पंचायत 3 नगर पंचायत बाल विवाह मुक्त घोषित

सूरजपुर जिले में 480 ग्राम पंचायत में से 192 ग्राम पंचायत एवं 3 नगर पंचायत को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है। इस प्रक्रिया में ग्राम सभा का प्रस्ताव, ग्राम पंचायत का प्रस्ताव, पंचायत का प्रमाण पत्र, क्षेत्र के पर्यवेक्षक का अनुमोदन के पश्चात् जिला कलेक्टर महोदय द्वारा मुक्त ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र जारी किया गया है।

राज्य शासन ने छ0ग0 को 2029 तक बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने के तरफ यह पहला कदम है। उक्त समस्त ग्राम पंचायतों के साथ बाकी बच्चे समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद पर विशेष नजर रखने के निर्देश प्राप्त हुये है। कलेक्टर महोदय के नेतृत्व में जिला प्रशासन, अनुविभागीय अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव संबंधित पुलिस थाना एवं चौकी उक्त बाल विवाह रूपी बुराई को सकुल नष्ट करने हेतु नजर बनाए हुये है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने सभी से निवेदन किया है कि बाल विवाह की जानकारी होने पर टोल फ्री न0 1098, 112, 181 एवं नजदीक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, ग्राम पंचायत के सरपंच/ सचिव, नजदीकी थाना को इसकी सूचना दे सकते है।

क्वान किंडो चैंपियनशिप में मुकेश ने स्वर्ण पदक हासिल कर जिले को किया गौरवान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र मुकेश ने छत्तीसगढ़ स्तरीय क्वान किंडो चैंपियनशिप के 53 कि.ग्रा. भारवर्ग पुरुष में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल किया है। जिले के एक छोटे से गांव तेलसरा से ताल्लुक रखने वाले मुकेश कुमार ने यह मुकाम अपनी कड़ी मेहनत, जुनून और खेल के प्रति समर्पण की बदौलत प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि अंबिकापुर गांधी स्टेडियम मल्टीप्लेक्स हॉल में 29 और 30 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय क्वान किंडो चैंपियनशिप में पूरे राज्य के करीब 2 सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले इस टूर्नामेंट में मुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। मुकेश की इस जीत ने न सिर्फ उनके गाँव तेलसरा का मान बढ़ाया, बल्कि जिले के खेल इतिहास में भी एक नई उपलब्धि जोड़ा है। स्वर्ण पदक के साथ ही अब मुकेश का चयन नेशनल क्वान किंडो चैंपियनशिप के लिए हो गया है, जो जम्मू-कश्मीर में आयोजित होगी। पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मुकेश हमेशा अनुशासन और लगन को अपना हथियार मानते हैं। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार उत्साहित है और सभी ने बधाई के साथ अग्रिम सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी है। सभी को उम्मीद है कि जिस तरह मुकेश ने राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की है, इसे बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। नेशनल चैंपियनशिप हेतु चयनित होने के बाद मुकेश इन दिनों लगातार अभ्यास में जुटे हुए हैं..वे जम्मू-कश्मीर में होने वाली प्रतियोगिता को लेकर बेहद उत्साहित हैं और तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। उनका कहना है कि यह अवसर उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है और वे पूरे जोश एवं आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने का जज़्बा ही उन्हें खास बनाता है..उनकी सफलता उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो छोटे गाँवों से निकलकर बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सपना संजोय हैं।

दो पिकअप में लोड 46 क्विंटल अवैध धान जप्त, प्रशासन की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में धान के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को भैयाथान के ग्राम गंगौटी चौकी क्षेत्र बसदेई में पहली पिकअप 66 बोरी लगभग 26 क्विंटल एवं दूसरी पिकअप से 50 बोरी लगभग 20 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया। अवैध परिवहन करते हुये वाहन को चौकी बसदेई पुलिस बल एवं राजस्व अमला द्वारा पकड़ा गया। मौके पर किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज एवं धान परिवहन संबधित कागजात एवं समिति में धान विक्रय हेतु टोकन नहीं पाया गया। वैध दस्तावेज नहीं दिखाये जाने पर अवैध परिवहन करते हुये धान सहित वाहन जप्त किया गया और पुलिस चौकी मे सुपुर्द किया गया। जब्त धान लगभग 46 क्विटल है। प्रकरण मे मंडी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील भटगांव

रा.प्र.क्र. ब/121/20

ईश्तहार

आम जनता ग्राम बतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक कामेश्वर आ० स्व० माझी राम जाती गोड निवासी ग्राम बतरा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता स्व. माझी राम जन्म/मृत्यु दिनांक 03/03/2015 को जन्मध्मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने पुत्रध्पुत्रीध्माताधपिता का जन्मध्मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत् शुल्क अदा कर चालान की प्रति शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 04/12/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्वात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 18/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालय की परमुद्रा से जारी किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील भटगांव

सरगुजा फ्रंटलाइन

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

मां महामाया कॉरीडोर के लिए मिले 11.60 करोड़, भव्य प्रवेश द्वार, लाइटिंग-पार्किंग की होगी सुविधा

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत स्वीकृति, सरगवां में पुष्पवाटिका के विकास के लिए 2.39 करोड़ स्वीकृत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मां महामाया सरगुजा के आस्था की प्रतीक हैं। यहां हर दिन श्रद्धालु माता के दर्शन करने आते हैं। नवरात्र में लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता की पूजा-अर्चना कर मन्नत मांगते हैं। शासन द्वारा हर साल श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अंबिकापुर में मां महामाया कॉरीडोर का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए भव्य प्रवेश द्वार से लेकर लाइटिंग, पार्किंग, आधुनिक शौचालय व स्वच्छ पेयजल की सुविधा विकसित की जानी है। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत मां महामाया कॉरीडोर के लिए शासन द्वारा 11 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही कॉरीडोर के काम में तेजी आएगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत शासन द्वारा अंबिकापुर नगर निगम में दो कार्यों के लिए 13 करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 11 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से मां महामाया कॉरीडोर का निर्माण किया जाना है, वहीं 2 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से पुष्पवाटिका सरगवां पार्क का विकास एवं जल आपूर्ति व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। वर्तमान में मां महामाया मंदिर के लिए एक भव्य कॉरिडोर का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें भक्तों के लिए सुंदर प्रवेश द्वार, लाइटिंग, पार्किंग, आधुनिक शौचालय और पेयजल की व्यवस्था शामिल है। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और मंदिर को एक प्रमुख आकर्षण बनाना है। मां महामाया कॉरीडोर के तहत 49.30 लाख की लागत से 60 फीट चौड़ा और 23 फीट ऊंचा भव्य प्रवेश द्वार बनाया गया है, इसका भूमिपूजन सितंबर 2023 में हुआ था। प्रवेश द्वार के बाद मंदिर तक के मार्ग को आकर्षक और स्वच्छ बनाने के लिए कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा।

विकसित होंगी ये अतिरिक्त सुविधाएं

योजना में श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक शौचालय, पेयजल, पार्किंग और ठहरने की विशेष व्यवस्था भी शामिल है। इस परियोजना के लिए नगर निगम, राज्य सरकार और स्थानीय नेताओं ने प्रयास किया है। प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत किया जा चुका है।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मां महामाया नगर सहित जिले भर की आस्था की प्रतीक हैं। शहर व सरगुजा जिले समेत अन्य जिलों व राज्यों के लोग भी यहां माता के दर्शन करने आते हैं। यह कॉरिडोर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा और मंदिर को एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा।

यह है मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत छत्तीसगढ़ के शहरों में आइकॉनिक विकास कार्यों के लिए राज्य शासन ने इस साल से मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना की शुरुआत की है। इसके तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना के विकास के बड़े काम मंजूर किए जा रहे हैं।

मंत्री ने किया 8 करोड़ रुपये से अधिक लागत के पुल निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बिरमताल और कुसमुसी में 8 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाए जा रहे उच्चस्तरीय पुल एवं पुलिया निर्माण कार्यों का मंगलवार को विधिवत शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पहल पर यह बहुप्रतीक्षित कार्य शुरू हुआ है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में आवागमन और विकास को नई दिशा मिलने वाली है। भूमिपूजन के दौरान जिला पंचायत सदस्य कुसुम सिंह, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, रामू गोस्वामी, मार्तण्ड साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग के अनुसार दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य पूरे होने के बाद क्षेत्र के 16 से अधिक गांवों के लगभग 16,000 से अधिक ग्रामीण प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। पुल निर्माण से दूरस्थ गांवों का जिला मुख्यालय, तहसील व जनपद मुख्यालयों के साथ संपर्क मजबूत होगा तथा बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुंच और अधिक सुगम होगी। इन परियोजनाओं के शुरू होने से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विकास की रफ्तार तेज होगी और स्थानीय लोगों के लिए आवागमन, व्यापार और दैनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध होगी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, सत्य दुबे, राकेश पाठक, लालचंद शर्मा, नेहा तिवारी, आयुष अग्रवाल, अखंड सिंह, जनपद सीईओ विनय गुप्ता, एसडीओ आरईएस अमित ताम्रकर, सचिव आंनद सिंह सहित काफी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

अवैध धान परिवहन करते दो पिकअप वाहन जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के निर्देश पर जिले में अवैध धान परिवहन और बिना दस्तावेज के वाहनों की चेकिंग अभियान तेज किया गया है। इसी कड़ी में बसदेई चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान बसदेई चौक के पास बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। चौकी प्रभारी ने दो पिकअप वाहनों सीजी 15 सीवाई 2026 और सीजी 29 एएफ 3433 को संदेह के आधार पर रोका। जांच में दोनों वाहनों में बिना किसी टोकन और वैध दस्तावेज़ के अवैध रूप से धान लोड पाया गया। मौके पर ही दोनों वाहन जप्त कर लिए गए। चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए जप्त धान व वाहन को अनुविभागीय दंडाधिकारी भैयाथान के सुपुर्द कर दिया, आगे की वैधानिक प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई में आरक्षक रामकुमार, अशोक केवट, सैनिक अनिल विश्वकर्मा सहित बसदेई पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक संपन्न

धान खरीदी, एसआईआर कार्यों और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मंगलवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु जिले में जारी धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सर्वप्रथम जिले में अब तक हुई धान खरीदी की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि जिले के 53 उपार्जन केन्द्रों में कुल 3623 किसानों से 17832.8 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में तेजी लाएं, अधिकारी स्थल निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और किसानों के अनुकूल रहे। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल, पेयजल एवं बैठने की व्यवस्था तथा टोकन प्रणाली जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने कहा सहकारी बैंकों में किसानों हेतु समुचित व्यवस्था हो, किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो ध्यान रखें। बैठक में कलेक्टर ने एसआईआर के प्रगति की समीक्षा करते हुए अब तक गणना प्रपत्रों के कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन की वर्तमान स्थिति की जानकारी लिया और कहा कि कार्य में तेजी लाएं, ताकि कार्य समय पर पूरा हो सके। अधिकारी स्वयं कम प्रगति वाले क्षेत्रों फील्ड विजिट करें। इस दौरान जिले में उज्ज्वला योजना की प्रगति की जानकारी ली गई तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को इसका लाभ प्रदान करने निर्देशित किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी ली गई और सर्व सीईओ जनपद पंचायत को आवास पखवाड़ा का आयोजन कर हितग्राहियों को आवास पूर्ण करने के लिए प्रेरित करने निर्देशित किया। इस दौरान जिले में चल रहे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत का जनजातीय समाज देश की अस्मिता का जीवंत स्वरूप-इन्दर भगत

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत विषय पर हुई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के नेतृत्व एवं विभाध्यक्ष रानी रजक एवं सह संयोजक सीमा बंजारे व ज्योत्सना राजभर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इन्दर भगत, प्रदेश अध्यक्ष जनजाति गौरव युवा समाज, विशिष्ट अतिथि यदुवंश करकेट्टा, मनोज पासवान रहे।

कार्यक्रम का परिचय सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक मिथलेश कुमार गुर्जर ने दिया। उन्होंने कहा भारत का जनजातीय समाज देश की प्राचीनतम और सबसे समृद्ध सांस्कृतिक इकाइयों में से एक है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर सरल, संतुलित और साहसपूर्ण जीवन जीने वाली जनजातियां हमारी सभ्यता की जड़ों को संरक्षित रखते आई हैं। इनका इतिहास केवल संघर्ष और अस्तित्व का ही नहीं, बल्कि गौरव, स्वाभिमान, संस्कृति, कला और परंपराओं का जीवंत प्रमाण है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत केवल इतिहास नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर है, जो हमें प्रकृति से प्रेम, सामूहिकता, समानता, साहस और सरल जीवन जीने का संदेश देता है। मुख्य अतिथि इन्दर भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत' केवल अध्ययन का नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों और राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है। जनजाति समाज का अतीत बहुत ही गहरा एवं गौरवशाली है। समाज के इतिहास को जानने की आवश्यकता है, किस प्रकार जनजाति समाज ने आजादी के पूर्व तथा आजादी के बाद देश के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया। भारत का जनजातीय समाज देश की अस्मिता का जीवंत स्वरूप है। यहां की जनजातियां सदियों से प्रकृति के साथ समरसता में जीवन जीते आई हैं। उनके जीवन-मूल्य, परम्पराएं, कला, शौर्य, आत्मनिर्भरता तथा सामुदायिक एकता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जनजातीय समुदाय सदियों पहले से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते आया है। वे जंगलों, नदियों, पहाड़ों को देवतुल्य मानकर उनकी रक्षा करते थे। आज जब पूरा संसार जलवायु परिवर्तन से चिंतित है, तब जनजातीय समाज की यह परंपरा आधुनिक युग के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। इतिहास गवाह है जनजातीय वीरों ने अपने अधिकारों, संस्कृति और सम्मान की रक्षा हेतु अद्भुत साहस दिखाया। बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हो, रानी दुर्गावती, तात्या भील, रानी कमलापति जैसे अनेक महापुरुषों ने अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते हुए भारत की स्वतंत्रता के मार्ग को सशक्त बनाया। जनजातीय समाज अपने जीवनयापन के लिए प्रकृति से ही संसाधन प्राप्त करता था। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम की संयोजक सीमा बंजारे ने कार्यक्रम के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सविता यादव, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव, सुन्दर राम एवं बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

शासकीय विभागों में आधार-आधारित उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य

पारदर्शिता, समयपालन और कार्यकुशलता को बढ़ाने राज्य शासन की पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार प्रशासनिक पारदर्शिता, समयपालन और कार्यकुशलता को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी विभागों में आधार-आधारित उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है, जिसके तहत सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को इसका पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। नई व्यवस्था के अनुसार, सभी कर्मचारियों को रोज़ दो बार प्रवेश और प्रस्थान उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसके लिए आधार फेस आईडी मोबाइल ऐप से कर्मचारी अपने स्मार्टफोन में फेसियल वेरिफिकेशन के माध्यम से इन-आउट दर्ज कर सकेंगे। यह तरीका सुविधाजनक और सुरक्षित है। नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे दिया गया है, ताकि यह प्रणाली सुचारू रूप से लागू की जा सके। कर्मचारियों को अपने आधार और सेवा संबंधी डेटा पोर्टल पर सही से अपडेट रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

समय पालन की दिशा में मजबूत कदम

एईबीएएस को लागू करना राज्य सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह और आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे समय पालन, अनुशासन और कार्यकुशलता को नई दिशा मिलेगी। यह तकनीक आधारित प्रणाली विभागीय कार्यों को सरल और पारदर्शी बनाएगी और राज्य में सुशासन और सेवा वितरण की गुणवत्ता और बेहतर होगी। इसी क्रम में इसके शत-प्रतिशत पालन कराने हेतु आगामी माह का वेतन आधार आधारित उपस्थिति के आधार पर किए जाएंगे। समस्त विभाग, कार्यालय प्रमुख अपने-अपने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यालय में शत-प्रतिशत अटेंडेंस सप्ताह में कम से कम दो दिन का चेक लिस्ट के अनुसार जांच करेंगे, और विलम्ब से कार्यालय में उपस्थित होने वाले पर अपने स्तर से कार्यवाही करते हुए अवगत कराएंगे।

कीटनाशक का सेवन की युवती की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कीटनाशक का सेवन की युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। जशपुर जिला के पत्थलगांव थाना अंतर्गत ग्राम भाटामुड़ा गोढ़ीकला की दशकुंवर पति युवराज गोड़ 30 वर्ष, 28 नवम्बर को घर में कीटनाशक का सेवन कर ली थी। घटना के समय उसका पति काम करने गया था, वहीं सास, ससुर धान काटने के लिए खेत में गए थे। घर में दशकुंवर अपनी भाभी के साथ थी, इसी बीच वह कीटनाशक का सेवन कर ली। भाभी ने उसे उल्टी करते देखा, जिससे कीटनाशक का गंध आ रहा था। इसकी जानकारी वह स्वजन को दी। स्वजन उसे पत्थलगांव स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान मंगलवार को सुबह 9 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

जिले में दो रेत खदानों का ई-नीलामी से आबंटन, लॉटरी में चुने गए अधिमानी बोलीदार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशन एवं अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक की अध्यक्षता में जिले की दो महत्वपूर्ण रेत खदानों, रेत खदान पोड़ी खुर्द एवं रेत खदान हर्रामार का आबंटन छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के तहत इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। तहसील अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम पोड़ीखुर्द में खसरा नंबर 173, 174 के कुल रकबा 4.623 हेक्टेयर में से 3.00 हेक्टेयर क्षेत्र तथा तहसील मैनपाट के ग्राम हर्रामार में खसरा नंबर 1044 के रकबा 6.889 हेक्टेयर में से 4.00 हेक्टेयर क्षेत्र को ई-नीलामी के लिए निर्धारित किया गया था। नीलामी प्रक्रिया 24 नवंबर को सुबह 10 बजे आरंभ होकर 30 नवंबर को शाम 5.30 बजे तक चली। निविदा एक दिसंबर 2025 को खोली गई, जिसमें रेत खदान पोड़ी खुर्द हेतु 27 बोलीदार, हर्रामार रेत खदान हेतु 26 बोलीदार ने भाग लिया। सभी बोलीदारों की उपस्थिति में जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। नीलामी में प्राप्त बोलियों में से रेत खदान पोड़ी खुर्द के लिए तान्या शर्मा निवासी अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा, रेत खदान हर्रामार के लिए धीरेन्द्र कुमार सिंह को राज्य शासन द्वारा घोषित उच्चतम निर्धारित मूल्य सिलिंग प्राइस 205 रुपये के विरुद्ध 51.25 रुपये की न्यूनतम बोली प्रस्तुत करने पर पोर्टल में लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से अधिमानी बोलीदार घोषित किया गया। प्रशासन द्वारा पूरी नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं ऑनलाइन प्रणाली पर आधारित किया गया, जिससे जिले में रेत खदान संचालन में सुव्यवस्था एवं पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कार्यशाला आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से कलेक्टर विलास भोसकर की निर्देशन में तथा नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में नगर निगम अंबिकापुर के सभी पार्षद, जनप्रतिनिधि, बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों तथा वेजल्स एवं विद्युत विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक आमजन तक पहुंचाना था। जनप्रतिनिधियों और पार्षदों द्वारा पूछे गए सवालों का समाधान कार्यपालन अभियंता (संचार/सम्मान) आर. नागवंशी, कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग) राजेश कुमार जायसवाल तथा सहायक अभियंता अंबिकापुर ग्रामीण द्वारा दिया गया। कार्यशाला में योजना के प्रावधानों, प्रक्रिया, बैंकिंग एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में यह भी सुनिश्चित किया गया कि बैंक अधिकारी, विद्युत विभाग एवं वेजल्स आपसी तालमेल से कार्य करते हुए हितग्राहियों को योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अधिकारीगणों ने बताया कि यह योजना न सिर्फ बिजली बिल में राहत प्रदान करेगी, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर